विपश्यना

साधकों का मासिक प्रेरणा पत्र

बुद्धवर्ष 2565, भाद्रपद पूर्णिमा (ऑनलाइन), 20 सितंबर, 2021, वर्ष 51, अंक 3

E-NEWS LETTER वार्षिक शुल्क रु. ३०/ आजीवन शुल्क रु. ५००

धम्मवाणी

अनिच्चा वत सङ्खारा, उप्पादवयधम्मिनो।
उपज्जित्वा निरुज्झन्ति, तेसं वूपसमो सुखो॥

— सं.नि. सगाथावग्गपालि-186, परिनिब्बानसुत्तं

सचमुच सारे संस्कार अनित्य ही तो हैं। (उत्पन्न होने वाली सभी स्थितियां, वस्तु, व्यक्ति अनित्य ही तो हैं।) उत्पन्न होना और नष्ट हो जाना यह तो इनका धर्म (-स्वभाव) ही है। उत्पन्न हो होकर नष्ट होते होते जब उनका पूर्णतया उपशमन हो जाता है (पुन: उत्पन्न होने का क्रम समाप्त हो जाता है), उसी का नाम परम सुख है। (वही निर्वाण-सुख है)।

पूज्य गुरुजी का दृढ़ संकल्प

29 सितंबर को पूज्य गुरुदेव की 8वीं पुण्यतिथि है। उनके गुणों एवं कार्यों को याद करते हुए श्रद्धांजलि स्वरूप उनके द्वारा जनवरी-फरवरी 1971 में लिखे गए कुछ महत्त्वपूर्ण पत्रों का यहां जिक्र बड़ा समीचीन लग रहा है। भारत में उनकी प्रारंभिक धर्म चारिका में मैं निरंतर साथ रहा हूं। 19 जनवरी 1971 को जब सयाजी ऊ बा खिन के दिवंगत होने का तार मिला तब बोधगया के बरमी विहार में शिविर चल रहा था। तार तो मैंने ही ले जाकर उन्हें दिया परंतु खोल कर देखा नहीं था। तार देखते ही गुरुजी के चेहरे की रंगत देख कर मैं सन्न रह गया। मैं वहीं खड़ा रहा परंतु कुछ पूछने की हिम्मत नहीं हो रही थी। कुछ देर शांत रहने के बाद उनके मुँह से अनायास निकला "लाइट चली गयी"। फिर भी मैं उनकी ओर देखता ही रहा तब धीरे से बोले, "सयाजी नहीं रहे।"...

उस शिविर के सफल समापन के बाद 28 जनवरी से 7 फरवरी तक पूज्य गुरुजी ने अपना स्वयं शिविर लगाने का निर्णय किया। दस दिनों की उनकी यह स्वयं की साधना अपने आप में बहुत महत्त्वपूर्ण है और धर्मबल अर्जन की ऐतिहासिक घटना है। उसी समय पूज्य गुरुजी ने यह दृढ़ निश्चय किया था कि अब उनका शेष जीवन धर्म-प्रसार के काम में ही लगेगा। इसके बाद बंबई लौट कर उन्होंने वहां 1 मार्च से 21 अप्रेल तक लगातार 4 शिविरों का संचालन किया।

इसी समय पूज्य गुरुजी ने और भी कई महत्त्वपूर्ण कार्यों को करने का संकल्प लिया और अनेक कठिनाइयों के बावजूद उनका सफल संपादन किया, जिनका दूरगामी प्रतिफल सद्धर्म की सर्वसुलभता के रूप में आज हमारे सामने है। उनका यह फैसला सद्धर्म की शुद्धता को बनाये रखने के क्षेत्र में अत्यंत कारगर सिद्ध हो रहा है। इसके बारे में बाबू भैया (बड़े भाई श्री बाबूलाल गोयन्का) को लिखे गये निम्न पत्र प्रमाण स्वरूप हैं जो उनके खुद के व्यक्तित्व को भी उजागर करते हैं। (सं.)

सयाजी ऊ बा खिन का शरीर त्याग

पड़ाव: बोधगया

22 जनवरी 1971

बाबू भैया, सादर वंदे!

अनभ्र आकाश से वज्रपात की तरह पूज्य गुरुदेव के शरीर त्याग का संवाद मिला। एक बार तो कुछ क्षणों के लिए स्तंभित हो जाने के कारण लगा कि जैसे मैं अनाथ हो गया। परंतु दूसरे ही

सारा जीवन लोक सेवा में लगे रहकर अब उनके लिए विश्राम का समय आया तभी यह भार मुझे सौंप कर चल दिए। इतना गंभीर दायित्व मैं कैसे निभा सकूंगा। काश! उनके चरणों में बैठकर और कुछ सीख पाता।

क्षण प्रबल वेग से सारे शरीर में अनित्य बोध का प्रवाह बहने लगा। ठीक वैसे ही जैसे कि पूज्य ताई (गोद लेने वाली मां)के स्वर्गारोहण के समय, और वैसे ही जैसे कि अपने उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के समय हुआ था। यह प्रवाह तुम्हारा तार प्राप्त होने से लेकर 24 घंटे तक चलता रहा और इसी के कारण चित्त की वैसी ही स्थिति रही जैसे कि उपरोक्त दोनों समय हुई थी। इसी कारण चित्त प्रकम्पित नहीं हो पाया। न मन उदास हुआ, न व्यथित हुआ, न मुँह से कोई आह-कराह निकली और न ही किसी प्रकार के भावावेश में आंखें गीली हो पाईं। धर्म की अपूर्व विजय पर मन संतुष्ट प्रसन्न है। पूज्य गुरुदेव के निधन से मैंने क्या खोया है यह तुम भली-भांति महसूस कर सकते हो। लेकिन इस पर भी चित्त का संतुलन बने रहना, उनके द्वारा दिए गए इस महान धर्म-चेतना का ही परिणाम था। 92 साधकों को इस शिविर में इस सूचना से जैसे स्यापा (मृत्यु-शोक पर रोना-पीटना) पड़ गया। इस मायूस वातावरण में यदि मैं रो पड़ता तो सारा शिविर जोर-जोर से रोता, किसी का क्रंदन रोके न रुकता। सारे के सारे साधक-साधिकाएं मेरे साथ बहुत संवेदनशील हैं। परंतु मैंने समत्व धर्म का पालन करके '*अशोकं, विरजं, खेमं*' रहकर "*चित्तं यस्स न कम्पति*" का उदाहरण रखकर सारे शिविर को धर्म बल दिया और इस प्रकार अपने परम पूज्य गुरुदेव की पावन स्मृति में धर्मानुकूल श्रद्धांजलि ही अर्पित की।

तुम्हारा दूसरा तार शाम को 5:00 बजे मिला। तार पढ़ते ही देखा कि सारे गांव की बिजली चली गई, सचमुच प्रकाश लुप्त हो गया। रात को 1:30 बजे तक चारों ओर घुप अंधकार छाया रहा। सायंकाल के पूर्व ही आसमान कालिमा से घिरने लगा और तुम्हारा तार आते ही बिना मौसम के आकाश रोने लगा। सारी रात आकाश रोते रहा। दूसरे दिन 3:00 बजे दाह कर्म के समय तो पर्जन्य देव इतना रोए कि उनके क्रंदन ने कुछ क्षणों के लिए दिल दहला दिया। लगा सारी प्रकृति रो रही है। धरती का क्रंदन, हवाओं का क्रंदन, सूरज का क्रंदन, बादलों का क्रंदन, आकाश का क्रंदन, पेड़ पौधों का क्रंदन सबका सम्मिलित क्रंदन सारे वातावरण को बोझिल बनाए हुए था। डेढ़ दिन के इस सघन क्रंदन के बाद प्रकृति प्रकृतिस्थ हुई। आकाश खुला है, पर्जन्य देव रो-धोकर इधर-उधर बिखर गए हैं। सचमुच इन पर्जन्य देवों से उनका कितना गहरा संबंध था, यह तो वे ही जानते हैं, जो उनके साथ रहे हैं। धरती का रोना भी कितना स्वाभाविक है। ऐसा कोई व्यक्ति धरती पर हजारों वर्षों में ही एक बार उत्पन्न होता है। देव और मनुष्यों के महान शास्ता भगवान गौतम बुद्ध के बाद 25 शताब्दियां बीती, जबकि इस धरती पर एक ऐसा अनुशास्ता तैयार हुआ जो केवल मनुष्यों का ही नहीं बल्कि देवों का भी अनुशास्ता था। धरती उसे खोकर दरिद्र ही हुई है। बर्मा देश की भूमि आज इस महापुरुष के बिना कितनी कंगाल हो उठी है—इस बात को वही समझ सकता है, जिसने कि ब्रह्मदेश के उस रत्न को परखा और पहचाना हो। दूसरा कोई क्या समझेगा भला!

मां सयामा के आदेशानुसार और गुरुदेव की अंतिम इच्छानुसार शिविर का कार्यक्रम यथावत चलाया जा रहा है। डेढ़-दो दिन की वर्षा के कारण छत पर लगे तंबू में साधक नहीं रह सके, फिर भी किसी प्रकार काम चलता रहा और अब तो आसमान खुल गया है। विश्वास है 27 तारीख तक शिविर का कार्यक्रम निर्बाध, निर्विघ्न पूरा होगा। पूज्य गुरुदेव का धर्म बल मेरे पास है और तेजी से प्रवहमान भी हो रहा है। साथ-साथ मां सयामा की मंगल मैत्री भी है ही। मैं भला अनाथ कैसे हो सकता हूं। जब तक धर्म जीवित है तब तक पूज्य गुरुदेव जीवित हैं। क्योंकि वे तो मूर्तिमान धर्म ही थे। आज मां सयामा का फिर तार मिला कि मैं अपने धर्म-दूत के कार्य में ढिलाई न आने दूं। ऐसा पूज्य गुरुदेव का आदेश है। नहीं, ढिलाई नहीं आने दूंगा। अब तो इतना बड़ा दायित्व सिर पर आ पड़ा है।

14 दिसंबर 1970 को पूज्य गुरुदेव ने अपने आचार्यत्व की 25 वीं वर्षगांठ मनाई। ठीक 25 वर्ष पूर्व दादा गुरु सयातै जी महाराज ने अपना शरीर त्यागते हुए पूज्य गुरुदेव के हाथों में धर्म ज्योति सौंपी थी जिसे इस महापुरुष ने और अधिक प्रकाशमान ही किया। भगवान बुद्ध के बाद 2500 वर्ष तक आचार्यों की गुरु-शिष्य परंपरा को अक्षुण्ण बनाए रखते हुए पूज्य गुरुदेव ने यह मशाल संभाले रखी और 14 दिसंबर, 1970 को ही यह मशाल मेरे हाथ में पकड़ाते हुए तार और चिट्ठी द्वारा मुझे मानो यह धर्म दायाद सौंपा और उसके एक महीने बाद उन्होंने अपना काम पूरा करके इस जीवन से मुँह मोड़ लिया। जिस समय मुझे यह धर्म दायाद सौंपा गया, उस समय मैं इसके महत्त्व को और इस राज को नहीं समझ पाया था। परंतु अब स्पष्ट महसूस होता है कि उन्होंने इस प्रकार इतनी शीघ्र निवृत्ति लेने की क्यों सोची। सारा जीवन लोक सेवा में लगे रहकर अब उनके विश्राम का समय आया तभी यह भार मुझे सौंप कर चल दिए। इतना गंभीर दायित्व मैं कैसे निभा सकूंगा। काश!

पूज्य गुरुदेव का सही स्मारक वह प्रत्येक साधक है जो कि उनकी इस पावन साधना विधि से लाभान्वित हो कर उसे अपने जीवन का अंग बनाता है।

उनके चरणों में बैठकर और कुछ सीख पाता। लेकिन नहीं, समय किसी के लिए नहीं रुकता। वह तो अपनी गति से बढ़ते ही चले जा रहा है। मैंने अपने जीवन में तुम्हारी छत्रछाया में रहकर सब तरह के भौतिक सुख भोगे हैं, बड़ा ऐश्वर्य प्राप्त किया है, सारी कामनाएं पूरी की हैं। अतः अत्यंत सहजभाव से अपना शेष जीवन इस धर्म सेवा में लगाने का संकल्प करते हुए मुझे कहीं कोई कठिनाई नहीं हुई। पूज्य गुरुदेव ने जिस विश्वास के साथ निर्वाण धातु की यह धर्म शिखा (मशाल) मेरे हाथ में पकड़ाई है और निर्वाण धातु प्रजनन कर सकने का मुझे जो अधिकार और बल दिया है, मैं उसके योग्य बनूं, इस निमित्त मां सयामा, पूज्य पिताजी और मां के साथ-साथ बड़े भैया और तुम्हारा आशीर्वाद तथा देवी इलायची का धर्मबल तथा परिवार के अन्य सभी सदस्यों की मंगल कामनाएं अपेक्षित हैं। मुझे विश्वास है कि इन सब के बल पर मैं योग्य बुद्ध-पुत्र साबित हो सकूंगा।

बोधगया में स्वयं शिविर

यह शिविर 27 को पूरा होगा और उसके बाद में 28 की शाम से स्वयं 10 दिनों के शिविर में बैठूंगा। पिछली बार जब बोधगया आया तब यहां कोई परिचित नहीं था इसलिए मुझे अपनी साधना डॉक बंगले के एक कमरे में करनी पड़ी। लेकिन अब तो धर्म के बल से सारी परिस्थितियां बदल गई हैं। मंदिर के पुजारी और व्यवस्था करने वालों ने स्वयं धर्म दीक्षा ली है। अतः मेरे लिए सारे द्वार खुल गए हैं। मंदिर के गर्भगृह की और बोधि वृक्ष के नीचे, यानी, सारे बोधि मंडप की धर्मतरंगें इतनी तेज हैं कि वहीं पर साधना करने के लिए बहुधा जी ललचाता रहा है और अब दोनों की ही चाभियां मेरे हवाले कर दी गई हैं। अतः अब मैं रोज रात को 10:00 बजे से प्रातः 5:00 बजे तक मंदिर एवं बोधि मंडप में ही साधना करके धर्मबल संचय करूंगा। ऐसा अवसर जीवन में बार-बार नहीं मिलता। मंदिर के ठीक सामने व्यवस्थापक के कार्यालय के पास मेरे लिए एक छोटी-सी एकांत कुटिया खाली कर दी गई है। दिन में मैं वहां रहा करूंगा और रात को जब मंदिर के ताले लग जाते हैं तब अधिक समय मंदिर के मुख्य गर्भगृह में और बीच-बीच में बोधि वृक्ष के नीचे वज्रासन के समीप साधना करूंगा। इस प्रकार रात का समय उस बोधि मंडप में ही बिताऊंगा, जहां नितांत एकांत एवं नीरव शांति रहती है।

हां, 7 फरवरी को पूज्य गुरुदेव की पावन स्मृति में वृहद संघ दान का आयोजन कर रहा हूं। हम उनके वारिस हैं, धर्म दायाद के उत्तराधिकारी हैं, धर्म क्षेत्र के औरस पुत्र हैं, अतः उनके निमित्त दानादि का अधिकार और दायित्व हमारा ही है। इस प्रसन्नचित्त से इस दायित्व को निभाएंगे। भारत में रहने वाले बरमी भिक्षुओं को तथा भारत के सभी प्रसिद्ध भिक्षुओं को आमंत्रित कर रहा हूं। तुमने पूज्य गुरुदेव के नाम पर बरमी भिक्षुओं के लिए जो दान का सामान भेजा, उसका भी उपयोग करेंगे तथा उनके गौरव के अनुकूल और भी दान पुण्य करेंगे। वैसे तो भारत आने के बाद जितना अनमोल धर्म दान किया है, वह सब उन्हीं का है, क्योंकि उन्हीं के प्रतिनिधि के रूप में मैं यहां काम कर रहा हूं और भविष्य में भी जो कुछ करूंगा वह उन्हीं का है। उनके ऋण से मुक्त होने के लिए ही यह शिव-संकल्प ले रहा हूं।...

तुम्हारा अनुज,
सत्य नारायण गोयन्का

↑बोधगया मुख्य मंदिर का ऊपरी ध्यान-कक्ष, जिसमें पूज्य गुरुजी ने 1971 में रात में स्वयं शिविर करते हुए ध्यान किया था।

संघदान का आयोजन

पड़ाव: बम्बई
12 फरवरी, 1971

बाबू भैया, सादर वंदे !

अभी-अभी तुम्हारा 8 फरवरी का पत्र मिला। इसके पूर्व एक

पत्र प्रिय श्रीप्रकाश के हाथ तथा दूसरा लंबा पत्र लाडसरिया के बच्चों के हाथ मिल चुका था। मैं तुम्हें अब तक कोई उत्तर न लिखवा सका। 28 जनवरी से 7 फरवरी तक मेरी अपनी साधना रात को 10:00 बजे से सुबह 5:00 तक एकांत बुद्ध मंदिर में तथा बोधि वृक्ष के नीचे होती रही, जिसमें मध्य रात्रि तक प्रिय मुरारी और श्रीप्रकाश भी साधना में सम्मिलित होते रहे। अंतिम दो-तीन दिन प्रिय गौरीशंकर और राधेश्याम भी सम्मिलित हुए। इसका सुखद विवरण किसी अन्य पत्र में लिख पाऊंगा।

7 फरवरी को 47 भिक्षु आमंत्रित किए गये थे, लेकिन 48 उपस्थित हुए और संघ-दान का आयोजन पूज्य गुरुदेव के गौरव के अनुकूल ही हुआ। हां, जो वस्तुएं बम्बई से खरीद कर मंगाई गई थीं, वे किसी कारणवश समय पर न पहुँच सकीं, परंतु दान-तर्पण में उनका संकल्प प्रकट किया जा चुका था। अब वे सारी वस्तुएं भारत के भिन्न-भिन्न स्थानों में रहने वाले भिक्षुओं तक धीरे-धीरे पहुँचाई जायेंगी। वैसे सारा कार्यक्रम जिस शांत धर्ममय वातावरण में संपन्न हुआ, वह बड़ा प्रभावकारी रहा। पूज्य गुरुदेव की पावन स्मृति में साधना शिविर और स्वयं अपनी साधना के अतिरिक्त संघ-दान का वृहद आयोजन तो हुआ ही, साथ-साथ इस अवसर पर ***'सयाजी ऊ बा खिन स्मारक कोष'*** का गठन भी हुआ, जिसमें बड़े भैया ने गोयन्का परिवार की ओर से एक बड़ी रकम दान दी। इसके अतिरिक्त पूज्य पिताजी और मां के साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्यों ने भी व्यक्तिगत रूप से अपना-अपना दान दिया तथा वहां के कुछ साधकों ने भी श्रद्धा स्वरूप अपनी दान-पारमी पुष्ट की और अब विश्वास है कि यह ***'स्मारक निधि'*** भविष्य में अन्य श्रद्धालु साधकों द्वारा अक्षुण्ण बना कर रखी जायगी। इस निधि का उपयोग कोई स्मारक भवन निर्माण करने में नहीं किया जायगा, बल्कि पूज्य गुरुदेव के धर्म वैभव और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए यही उचित समझा गया कि उनका सही स्मारक वह प्रत्येक साधक है जो कि उनकी इस पावन साधना विधि से लाभान्वित हो कर उसे अपने जीवन का अंग बनाता है। ऐसे लोग अधिक से अधिक संख्या में तैयार हों और भविष्य में अनेक वर्षों तक यह धर्म परंपरा कायम रहे, यही पूज्य गुरुदेव की सही पावन स्मृति और सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अतः इस निधि का उपयोग केवल अर्थ विपन्न लोगों को विपश्यना साधना सिखाने के काम में ही किया जायगा।

बोधगया में पूज्य गुरुदेव के निमित्त जो भी पुण्य कार्य किया गया, उसमें पूज्य पिताजी और मां सहित परिवार का प्रत्येक सदस्य पुण्य-लाभी हो। इसी प्रकार पूज्य गुरुदेव के सभी साधक शिष्य भी पुण्य-लाभी बनें, यही मंगल कामना है।

तुम्हारा अनुज,
सत्य नारायण गोयन्का

बोधगया में विपश्यना के पुनरागमन का पहला ऐतिहासिक शिविर 9 से 19 अप्रेल, 1970 तक समन्वय आश्रम में लगा। शिविर के अंत में लाभान्वित साधकों ने मिल कर पूज्य गुरुजी का सम्मान किया और फोटो खिंचवाये। कुर्सी पर बैठे लोगों के मध्य में गुरुजी है, उनकी बाईं ओर श्रीलंका के विद्वान भिक्षु डॉ. धम्मरतनजी हैं और उनसे पहले सामने की ओर बैठे हैं अनागारिक श्री मुनींद्र जी, जो कि इस शिविर में बैठ कर जीवन भर के लिए इस विद्या के मुरीद हो गये।

पुराने साधक पर अनुकम्पा

पड़ाव: बम्बई
18 फरवरी, 1971

बाबू भैया, सादर वंदे !

जटनी (उड़ीसा) से श्री लक्ष्मी नारायण पाटोदिया का पत्र है। वे बोधगया में सयाजी के निमित्त हुए संघदान में सम्मिलित होने के लिए कलकत्ता पहुँच गए थे परंतु रेल की हड़ताल के कारण बोधगया नहीं आ सके। उन्होंने इस अवसर पर गुरु जी के स्मारक फंड में दान भेजा है। यद्यपि उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, तो भी उनका यह उदारतापूर्ण दान उनके हृदय की शुद्ध श्रद्धा का ही प्रतीक है। वे अपने पत्र में लिखते हैं कि उनकी विपश्यना जागती है, परंतु शारीरिक अस्वस्थता तथा वर्तमान परिस्थितियों के कारण अशांति है। मैंने उन्हें धैर्य-भरा एक पत्र लिखा है। उनका मंगल हो।

तुम्हारा अनुज,
सत्य नारायण गोयन्का

सयाजी ऊ बा खिन मेमोरियल ट्रस्ट की स्थापना

पड़ाव: बम्बई

13 फरवरी, 1971

बाबू भैया, सादर वंदे !

तुम्हारे कई पत्रों का उत्तर लिखाना बाकी है जिसे एक-दो दिन में लिखा पाऊंगा। अब तो केवल दो-एक बातें शीघ्रता से लिखवा देना चाहता हूं।

1. मां सयामा तथा ऊ टिं यी, ऊ बा फो, ऊ छिट टिन (U Tin Yee, U Ba Pho, U Chit Tin) आदि से कहना कि मैंने यहां "सयाजी ऊ बा खिन मेमोरियल फाउंडेशन" के नाम से एक संस्थान गठित करने का निर्णय किया है। भविष्य में मेरे द्वारा विश्व भर में जो भी धर्म कार्य होगा, वह पूज्य गुरुदेव के स्मारक स्वरूप इसी के अंतर्गत होगा। सारे विपश्यना ध्यान केंद्र सयाजी ऊ बा खिन मेमोरियल विपश्यना केंद्र कहलाएंगे।

2. बोधगया मंदिर की प्रबंध समिति साधारणतया इस मंदिर को एक ऐतिहासिक पुरातत्व का ही महत्त्व प्रदान करती आयी है और इसे एक पर्यटक केंद्र के रूप में देखती है। परंतु पिछले 2 महीने के मेरे बोधगया-प्रवास और यहां लगे धर्म शिविरों के कारण लोगों में सद्धर्म के प्रति बहुत धर्मचेतना जागी और मुझे सभी लोगों की गहरी सहानुभूति और गहरी आत्मीयता प्राप्त हुई। इसलिए मैंने यह निर्णय किया कि प्रबंध समिति से इस बात की छूट मांगी जाय कि मंदिर के शिखर को हम "स्वर्ण मंडित" कर सकें और इस पर एक प्रकाश-दीप जलवा सकें, जैसे कि बर्मा में अपने धर्म स्तूप पर तथा अन्य सभी स्तूपों पर अधिकांशतः होता है। प्रबंध समिति ने पहले सीलोन आदि के अनेक भक्तों की ऐसी मांगे इसलिए ठुकरा दी थी कि इससे इस मंदिर की पुरातात्विक विशेषता अक्षुण्ण नहीं रहेगी। परंतु अब जो सहानुभूति का वातावरण तैयार हुआ है, उससे मुझे इसमें सफलता प्राप्त होने की संभावना है। मुझे विश्वास है कि यह काम पूज्य गुरुदेव की मनोभावना के अनुकूल ही होगा। मैं चाहता हूं कि इसके निमित्त सारा धन जो कुछ भी खर्च हो, वह बर्मा से ही आए। वहीं के स्वर्ण पत्र और वहीं के कारीगर आकर इस काम को संपन्न करें। इस निमित्त मुझे बर्मी दूतावास के जरिए अपने देश का सहयोग प्राप्त हो जाने की पूरी संभावना है। इसके निमित्त दान का प्रबंध वहां के साधकों को करना होगा जो कि मुझे कठिन नहीं दिखाई देता है।

3. महाबोधि सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रकाशित अंग्रेजी के त्रैमासिक पत्र "द महा बोधि जर्नल" के संपादक डॉ. भिक्षु धर्मरत्नजी, गुरुजी के निमित्त हुए संघदान में बोधगया आये थे। उन्होंने इस बात की सहमति प्रकट की है कि 1-2 महीने के बाद 'द महाबोधि' का एक विशेषांक "सयाजी ऊ बा खिन स्मारक" के रूप में प्रकाशित किया जायगा, जिसमें सारी सामग्री उन्हीं के संबंध में होगी। इसी प्रकार का एक स्मारक अंक सारनाथ से प्रकाशित "धर्म-दूत" द्वारा भी निकलवाया जायगा। हम अपनी ओर से कोई एक स्मारक पुस्तिका निकालना चाहते थे परंतु यदि ये लोग इनके इन त्रैमासिक पत्रों में ऐसा करें तो और भी उत्तम है। अब यह आवश्यक है कि इसके लिए बर्मा में तथा विदेशों में जहां-जहां भी गुरु जी के शिष्य साधक हैं उन सबको "ऊ बा फो" की ओर से एक पत्र चला जाय और वे सब गुरुजी के संबंध में अपने संस्मरण और अपनी श्रद्धांजलि प्रकट करते हुए कुछ लिख कर भेजें, तो ये दोनों अंक अपने गौरव के अनुकूल ही प्रकाशित होंगे। अतः यह काम जल्द करवाना। मैं भी समय निकालकर इसी आशय का एक पत्र अंग्रेजी में लिखवाऊंगा।

तुम्हारा अनुज,

सत्य नारायण गोयन्का

("द महा बोधि जर्नल", ऊ बा खिन मेमोरियल अंक, अप्रेल-1972. पत्रिका के मुखपृष्ठ पर सयाजी ऊ बा खिन के रेखाचित्र के साथ यह विशेषांक प्रकाशित हुआ था। सं.)

अतिरिक्त उत्तरदायित्व

1. श्री रामकृष्ण बांते (व.स.आ.) धम्मवसुधा केंद्र के लिए केंद्र-आचार्य के रूप में सेवा

नये उत्तरदायित्व

आचार्य

1. श्री सुनील एवं श्रीमती विद्या बागडे (केंद्र-आचार्य, धम्म भण्डार)
2. श्री जयपार सिंह तोमर, (केंद्र-आचार्य, धम्म अनाकुल)
3. श्री विनय दहाट, (विदर्भ क्षेत्र के समन्वयक क्षे.आ. की सहायता)

वरिष्ठ सहायक आचार्य

1. श्रीमती तारा पोखरेल, नेपाल
2. Mr. Jian Zhong Cai (JC2), China
3. Mr. Shiran Fan (SF1), China
4. Mr. Jie Liu (JL3), China
5. Mr. Meng Sun(MS19), China
6. Mrs. Lina Guo (LG), China
7. Mrs. Jia Rui (Julia) Qian (JQ), China
8. Mrs. Jin Hua Yang (JY), China
9. Ms Chen Liu (CL1), Taiwan
10. Ms Ruo-yu Tan (RYT), Taiwan

नव नियुक्तियां

सहायक आचार्य

1. श्री जयेश भाई मेहता, मदुराई
2. श्रीमती शिल्पा मेहता, पुणे
3. श्री नरेंद्र हेंगाडे, पुणे
4. श्री योगेश गांधी, पुणे
5. श्रीमती मंजुलाबेन साकरिया, जेतपुर (गुज.)
6. श्री ओम दत्त रगमी, नेपाल
7. श्री जीवन कुमार शाक्य, नेपाल
8. Mr. Ji Ming LI, China

बालशिविर शिक्षक

1. श्री आलोक खांडेकर, बालाघाट
2. कु. सोनाली बरमाटे, बालाघाट
3. श्री. राजकुमार वाघमारे, बालाघाट
4. श्रीमती शीतल मेश्राम, नागपुर
5. श्री अविनाश मेश्राम, नागपुर
6. प्रो. ममता साहू, नागपुर
7. कु. रीनल पटेल, यू.के. (UK)

मृत्यु मंगल

वाराणसी के डॉ. प्रेमनारायण सोमानी ने 93 वर्ष की पकी उम्र में 1 सितंबर, 2021 को बहुत ही शांतिपूर्वक शरीर त्याग किया। उन्होंने विपश्यना का पहला शिविर करने के बाद से ही सारा जीवन विपश्यना को समर्पित कर दिया था। 1996 में सहायक आचार्य नियुक्त हुए और 2009 में वरिष्ठ सहायक आचार्य बन कर साधकों की बडी सेवा की। कई वर्षों से धम्मचक्क विपश्यना केंद्र के केंद्र-आचार्य के सहायक रहे। केंद्र को आगे बढ़ाने में हर संभव सहयोग दिया और अंतिम क्षणों तक सेवाकार्य में लगे रहे। मृत्यु के पूर्व स्वयं ही स्नान किया और कपड़े पहनते ही लेट कर अंतिम सांस ले ली। वे धर्मपथ पर सतत आगे बढ़ते हुए निर्वाणलाभी हों, धम्मपरिवार की यही मंगल कामना है।

अति महत्त्वपूर्ण सूचनाएं

1. सेंट्रल आईवीआर (इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पांस) संभाषण नंबरः 022-50505051

आवेदक इस नंबर पर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर (फॉर्म में उल्लिखित नंबर) से अपनी शिविर पंजीकरण स्थिति की जांच करने, रद्द करने, स्थानांतरित करने या किसी भी केंद्र पर बुक किए गए अपने आवेदन की पुष्टि करने के लिए कॉल कर सकते हैं। वे इस सिस्टम के जरिए केंद्र से संपर्क भी कर सकते हैं। यह भारत के सभी विपश्यना केंद्रों के लिए एक केंद्रीय संपर्क नंबर है।

2. यदि अकेंद्रीय (नान-सेंटर) भावी शिविरों के कार्यक्रम पत्रिका में प्रकाशन हेतु भेजना चाहते हैं तो कृपया अपने समन्वयक क्षेत्रीय आचार्य (सीएटी) की सहमति-पत्र के साथ भेजें, जबकि स्थापित केंद्रों के कार्यक्रम केंद्रीय आचार्य (सीटी) की सहमति-पत्र के साथ आने चाहिए। इसके बिना हम कोई भी कार्यक्रम पत्रिका में प्रकाशित नहीं कर सकते हैं।

3. यदि किसी नये व्यक्ति को केंद्र आचार्य (CT) बनाया जाता है तो उसके साथ उनकी ओर से हस्ताक्षरित स्वीकारोक्ति-पत्र (CTAL) अवश्य आना चाहिए जो कि एटी-किट-2012 (सहायक आचार्यों की अनुशासन संहिता) के अंत में छपा है। इसके बाद ही उनका नाम पत्रिका में और आचार्यों की विवरण पुस्तिका में छपेगा।

अब शिविरों में आवेदन के लिए साधक निम्न नई वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं:-
https://schedule.vridhamma.org/

ऑनलाइन भावी शिविर कार्यक्रम एवं आवेदन

सभी भावी शिविरों की जानकारी नेट पर उपलब्ध है। कोविद-19 के नये नियमानुसार सभी प्रकार की बुकिंग केवल ऑनलाइन हो रही है। फार्म-अप्लीकेशन अभी स्वीकार्य नहीं हैं। अतः आप लोगों से निवेदन है कि निम्न लिंक पर चेक करें और अपने उपयुक्त शिविर के लिए अथवा सेवा के लिए सीधे ऑनलाइन ही आवेदन करें:

https://www.dhamma.org/en/schedules/schgiri

कृपया अन्य केंद्रों के कार्यक्रमानुसार भी इसी प्रकार आवेदन करें।
अन्य केंद्रों के कार्यक्रमों के विवरण कृपया निम्न लिंक पर खोजें:-
https://www.dhamma.org/en-US/locations/directory#IN

भावी शिविर कार्यक्रम

जिन केंद्रों के 2021 के शिविर कार्यक्रम आये हैं, उन्हें ही इस महीने में प्रकाशित कर रहे हैं। कोविड-19 के सभी नियमों का पालन करना अनिवार्य है। सभी नियम फार्म के साथ इंटरनेट पर दिये गये हैं। फिर भी कोई नहीं देख पाये तो संबंधित केंद्रों से सीधे संपर्क कर सकते हैं।

आवश्यक सूचनाएं—

1- कृपया नियमावली मँगाकर पढ़ें और संबंधित व्यवस्थापक के पास आवेदन-पत्र भेजकर वहां से स्वीकृति-पत्र मँगा लें।

2- **एक दिवसीय, लघु / स्वयं शिविर:** केवल पुराने साधकों के लिए, जिन्होंने दस दिन का विपश्यना शिविर पूरा किया हो।

3- **सतिपट्ठान शिविर:** कम से कम तीन शिविर किये साधकों के लिए, जो कि विगत एक वर्ष से नियमित और गंभीरतापूर्वक दैनिक अभ्यास करते हों। (लघु एवं सति. शिविर का समापन **अंतिम तिथि की सायं होता है।**)

4- **किशोरों का शिविर:** (15 वर्ष पूर्ण से 19 वर्ष पूर्ण) **(कृपया किशोरों के शिविर के लिए बनाये हुये नये आवेदन-पत्र का उपयोग करें)**

5-**दीर्घ शिविर - ∞ 20 दिवसीय शिविर:** पाँच सामान्य शिविर, एक सतिपट्ठान शिविर किये और एक दस-दिवसीय शिविर में सेवा दिये हुए साधकों के लिए, जो विगत दो वर्षों से नियमित दैनिक अभ्यास करते हों तथा विधि के प्रति अनन्यभाव से पूर्णतया समर्पित हों।

6- **30 दिवसीय शिविर:** जिन्होंने 20 दिवसीय शिविर किया हो तथा किसी एक शिविर में धर्मसेवा दी हो। (दीर्घ शिविरों के लिए 6 माह का अंतराल आवश्यक है।) (जहां 30 व 45 दिन के साथ होंगे, वहां आनापान– 10 दिन की, और जहां केवल 45 दिन का वहां 15 दिन की होगी।)

7- **45 दिवसीय शिविर:** जिन्होंने दो 30 दिवसीय शिविर किये हों एवं धम्मसेवा दिये हों। **60 दिवसीय शिविर:** केवल सहायक आचार्यों के लिए जिन्होंने दो 45 दिवसीय शिविर किये हुए हैं।

8- **विशेष 10-दिवसीय शिविर:** पांच सामान्य शिविर, एक सतिपट्ठान शिविर किये और एक दस-दिवसीय शिविर में सेवा दिये हुए साधकों के लिए, जो विगत दो वर्षों से नियमित दैनिक अभ्यास करते हों तथा विधि के प्रति अनन्यभाव से पूर्णतया समर्पित हों।

14 दिवसीय कृतज्ञता-शिविर / स्वयं शिविर

यह कृतज्ञता-शिविर "आचार्य स्वयं शिविर" का ही रूप है। शिविर का फार्मेट बिल्कुल वही रहेगा। पूज्य गुरुजी और माताजी अब नहीं रहे तो उनके प्रति तथा पूरी आचार्य परंपरा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इसी समय अधिक से अधिक लोग एक साथ तपेंगे, एक साथ आनापान, विपश्यना और मैत्री होगी तो सभी उनकी धर्मतरंगों के साथ समरस होकर परम सुख-लाभ ले पायेंगे – **समग्गानं तपो सुखो।** प्रसन्नता की बात यह है कि फरवरी की इन्हीं तिथियों के बीच हिंदी तिथि के अनुसार पूज्य गुरुजी एवं माताजी की जन्म-तिथियां (जयंतियां) भी आती हैं। **शिविर की योग्यता–** इस **दीर्घ शिविरि** में सम्मिलित होने के लिए केवल एक सतिपट्ठान शिविर, धर्म के प्रचार-प्रसार में योगदान तथा स्थानीय आचार्य की संस्तुति आवश्यक होगी। **निश्चित तिथियां:** हर वर्ष 2 से 17 फरवरी।

स्थानीय साधकों को धर्मलाभ पहुँचाने के इच्छुक अन्य केंद्र भी चाहें तो इस गंभीर कृतज्ञता-शिविर को अपने यहां के कार्यक्रमों में सम्मिलित कर सकते हैं।

∞ दीर्घ शिविरों के लिए नये संशोधित आवेदन-पत्र का ही उपयोग करें। इसे धम्मगिरि अथवा अन्य दीर्घ शिविर के केंद्रों से प्राप्त कर सकते हैं। (उपरोक्त सभी शिविरों का आवेदन-पत्र एक समान है।)

हिंदी वेबसाट हेतु लिंक www.hindi.dhamma.org

इगतपुरी एवं महाराष्ट्र

धम्मगिरि : इगतपुरी (महाराष्ट्र)

विपश्यना विश्व विद्यापीठ, इगतपुरी—422403, नाशिक, फोन: (02553) 244076, 244086, 244144, 244440 (केवल कार्यालय के समय अर्थात सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक). फैक्स: 244176. Email: info@giri.dhamma.org, **[बिना बुकिंग प्रवेश बिल्कुल नहीं] दस-दिवसीय:** 22-9 से 3-10, 30-10 से 10-11, 13 से 24-11, 27-11 से 8-12, 25-12-21 से 5-1-2022, 2022 8 से 19-1, 23-2 से 6-3, 9 से 20-3, 23-3 से 3-4, 19 से 30-4, 4 से 15-5, 18 से 29-5, 1 से 12-6, 15 से 26-6, 29-6 से 10-7, 27-7 से 7-8, 10 से 21-8, 24-8 से 4-9, 7 से 18-9, 21-9 से 2-10, 19 से 30-10, 16 से 27-11, 30-11 से 11-12, 25-12-22 से 5-1-2023, ◊ **सतिपट्ठान:** 2021 7 से 15-10, 2022 21 से 29-1, 6 से 14-10, **समन्वयक क्षेत्रीय आचार्य तथा आचार्य सम्मेलन:** 13-12-2021, 2022 13-12-2022, **सहायक आचार्य सम्मेलन:** 14 से 16-12-2021, 2022 14 से 16-12-2022, **सहायक आचार्य कार्यशाला:** 17 से 20-12-2021, 2022 17 से 20-12-2022, **प्रशिक्षक कार्यशाला:** 21-12-2021, 2022 21-12-2022, **ट्रस्टी तथा धम्मसेवक कार्यशाला:** 16 से 17-10-2021, 2022 15 से 16-10, **कृतज्ञता-शिविर:** 2022 **2 से 17-2,**

●● **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय:** 2022 13 से 24-7,

(**गंभीर सूचनाएं**— • कृपया ध्यान दें कि धम्मगिरि पर बिना बुकिंग कराए आने का प्रयास बिल्कुल न करें अन्यथा वापस भेजने पर शिविरार्थी को भी कष्ट होता है और हमें भी। • जहां केंद्र हैं, उस क्षेत्र के लोग वहीं आवेदन करें। विशेष कारण के बिना धम्मगिरि पर उनके आवेदन नहीं लिए जायेंगे। • कृपया स्वीकृति-पत्र अपने साथ अवश्य लाएं। • **यदि किसी कारण** न आ पा रहे हों तो कृपया समय पर सूचना अवश्य दें।)

धम्मतपोवन-1 : इगतपुरी (महाराष्ट्र)

∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय:** 21-9 से 2-10, **45-दिवसीय:** 19-12 से 3-2-2022, **60-दिवसीय:** 12-10 से 12-12.

धम्मतपोवन-2 : इगतपुरी (महाराष्ट्र)

दस-दिवसीय एक्जीक्यूटिव शिविर: 30-11 से 11-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 18 से 26-11,

●● **दीर्घ-शिविर: 30-दिवसीय:** 25-9 से 26-10, **45-दिवसीय:** 25-9 से 10-11, **60-दिवसीय:** 17-12 से 16-2-2022.

धम्मपत्तन : गोराई, बोरीवली, मुंबई

धम्मपत्तन, विपश्यना केन्द्र, एस्सेल वर्ल्ड के पास, गोराई खाड़ी, बोरीवली (पश्चिम) मुंबई— 400 091, फोन: +91 8291894650, टेली. (+09122) 50427518, Ext. No. (पुरुष कार्यालय)» 519 (50427519), (महिला कार्यालय)» 546 (50427546), (सुबह 11 से सायं 5 बजे तक); Website: www.pattana.dhamma.org, **दस-दिवसीय एक्जीक्यूटिव शिविर:** 29-9 से 10-10, 13 से 24-10, 27-10 से 7-11, 10 से 21-11, 24-11 से 5-12, 8 से 19-12, 22-12 से 2-1-2022 **1-दिवसीय मेगा:** 26-9, Email: registration_pattana@dhamma.net.in; ऑनलाइन बुकिंग: www.dhamma.org/en/schedules/schpattana.shtml **"धम्मपत्तन"** विपश्यना केंद्र में केवल 90 साधकों के लिए स्थान है। अत: सभी साधकों से नम्र निवेदन है कि जिन्हें शिविर के लिए स्वीकृति-पत्र दिया जाय, वे ही आयें और जिन्हें स्वीकृति नहीं दी जा सकी, वे कृपया किसी प्रकार का आग्रह (दुराग्रह) न करें। • **कृपया अपना आपात्कालीन फोन-संपर्क (भले पास-पड़ोस का) अवश्य लिखें।)**

ग्लोबल विपश्यना पगोडा, गोराई में एक दिवसीय शिविर : प्रतिदिन— सुबह 11 बजे से सायं 4 बजे तक, (पगोडा के डोम में होता है, ताकि साधकों को भगवान बुद्ध की पावन धातुओं के सान्निध्य में तपने का सुयोग प्राप्त हो।) तथा **मेगा कोर्सेज (महाशिविरों)** की तिथियों के लिए पत्रिका के अंतिम पृष्ठ पर देखें। **संपर्क: Email: info@globalpagoda.org;** फोन: 022-28452235. कृपया अपने साथ पीने के पानी की बोतल अवश्य लाएं। पीने का पानी बड़ी बोतल (20 लीटर) में उपलब्ध रहेगा। उसमें से अपनी बोतल भर कर अपने पास रख सकते हैं।

आगंतुकों के लिए लघु आनापान शिविर

ग्लोबल पगोडा में प्रतिदिन 11 से 4 बजे के बीच पंद्रह-बीस मिनट का अंग्रेजी/हिन्दी में लघु आनापान प्रशिक्षण-सत्र चलता रहता है। ताकि सभी लोगों को धर्म- लाभ मिल सके। भाग लेने वाले को पूरे प्रशिक्षण-सत्र में बैठना अनिवार्य है।

धम्मविपुल : बेलापुर (नवी मुंबई)

प्लॉट नं. 91 ए; सेक्टर 26, पारसीक हिल, सीबीडी बेलापुर, (पारसीक हिल, सीवुड दारावे रेलवे स्टेशन के नजदीक हरबर लाईन) नवी मुंबई 400 614. **संपर्क:** फोन: 022-27522277, 27522404/03 (सुबह 11 बजे से सायं 5 बजे तक). Email: dhammavipula@gmail.com, **बुकिंग केवल ऑनलाइन:** http://www.vipula.dhamma.org/ **दस-दिवसीय:** 29-9 से 10-10, 13 से 24-10, 27-10 से 7-11, 10 से 21-11, 24-11 से 5-12, 21-12 से 1-1-22, 2022» 3 से 14-1, 9 से 20-2, 23-2 से 6-3, 9 से 20-3, 23-3 से 3-4, 6 से 17-4, 20-4 से 1-5, 4 से 15-5, 18 से 29-5, 1 से 12-6, 15 से 26-6, 29-6 से 10-7, 13 से 24-7, 27-7 से 7-8, 10 से 21-8, 24-8 से 4-9, 7 से 18-9, 21-9 से 2-10, 5 से 16-10, 19 से 30-10, 2 से 13-11, 16 से 27-11, 30-11 से 11-12, 21-12 से 1-1-23, **3-दिवसीय:** 9 से 12-12, **1-दिवसीय:** हर रविवार, **सामू. साधना:** हर रोज प्रात: 9 से रात 9 तक, (साधक अपने समयानुसार आकर ध्यान कर सकते है);

●● **कृतज्ञता शिविर 20-दिवसीय:** 2022» 16-1 से 6-2,

धम्मवाहिनी : टिटवाला

मुबई परिसर विपश्यना केंद्र, गांव रुंदे, टिटवाला (पूर्व) कल्याण, जि. ठाणे. Website www.vahini.dhamma.org, रजिस्ट्रेशन केवल online; Email: vahini.dhamma@gmail.com, **संपर्क:** मोबाईल: 97730-69978, 9004620434, केवल कार्यालय के दिन- 12 से सायं 6 तक. **दस-दिवसीय:** 2021» 25-9 से 6-10, 9 से 20-10, 2022» 8 से 19-1, 22-1 से 2-2, 5 से 16-2, 19-2 से 2-3, 5 से 16-3, 19 से 30-3, 2 से 13-4, 16 से 27-4, 30-4 से 11-5, 14 से 25-5, 28-5 से 8-6, 11 से 22-6, 25-6 से 6-7, 9 से 20-7, 23-7 से 3-8, 6 से 17-8, 3 से 14-9, 17 से 28-9, 1 से 12-10,

∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2022»** 20 से 31-8, **20-दिवसीय: 2021»** 27-10 से 17-11, **30-दिवसीय: 2021»** 20-11 से 21-12, **45-दिवसीय: 2021»** 20-11 से 5-1-2022,

धम्मवाटिका : पालघर

पालघर विपश्यना केंद्र, गट नं. 198-2/ए, अल्याली क्रिकेट ग्राउंड के पीछे, अल्याली, पालघर-401404, **संपर्क:** 1) 9637101154, 2) श्री इराणी, मो. 9270888840, Email: info@vatika.dhamma.org; **दस-दिवसीय:** (केवल पुरुष) 8 से 19-10, 21-10 से 1-11, 21-11 से 2-12, 25-12-21 से 5-1-22, (केवल महिलाएं) 24-9 से 5-10, 7 से 18-11, ◊ **सतिपट्ठान:** (केवल महिलाएं) 5 से 13-12,

धम्मानन्द : पुणे (महाराष्ट्र)

पुणे विपश्यना केंद्र, (बिना बुकिंग प्रवेश नहीं) मरकल गांव के पास, आलंदी से 8 कि.मी. **दस-दिवसीय: (केवल हिंदी एवं मराठी भाषी)**2021»9 से 20-10, 13 से 24-11, 11 से 22-12, 2022»8 से 19-1, 12 से 23-2, 12 से 23-3, 9 से 20-4, 9 से 20-4, 14 से 25-5, 11 से 22-6, 9 से 20-7,13 से 24-8, 10 से 21-9, 8 ले 19-10, 12 से 23-11, 10 से 21-12, **(केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी)**2021» 25-9 से 6-10, 27-11 से 8-12, 25-12 से 5-1, 2022» 22-1 से 2-2, 23-4 से 4-5, 28-5 से 8-6, 25-6 से 6-7, 23-7 से 3-8, 27-8 से 7-9, 24-9 से 5-10, 26-11 से 7-12, 24-12 से 4-1, ◊ **सतिपट्ठान: (केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी)**2021»23 से 31-10, 2022»29-10 से 6-11, **(केवल हिंदी एवं मराठी भाषी)** 2022»26-2 से 6-3, **3-दिवसीय:** 2022»3 से 6-2, 5 से 8-5, 4 से 7-8, 20 से 23-10, **संपर्क:** पुणे विपश्यना समिति, फोन: (020) 24468903, 24436250. Email: info@ananda.dhamma.org; टेली-फैक्स: 24464243.

धम्मपुण्ण : पुणे शहर(स्वारगेट)

पुणे विपश्यना समिति, नेहरू स्टेडियम के सामने, स्वारगेट वॉटर वर्क्स के पीछे, आनंद मंगल कार्यालय के पास, दादावाडी, पुणे-411002. फोन: (020) 24436250. Email: info@punna.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** (केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी)2021» 3 से 14-10, 7 से 18-11, 5 से 16-12, 2022»2 से 13-1, 6 से 17-2, 6 से 17-3, 3 से 14-4, 5 से 16-6, 3 से 14-7, 7 से 18-8, 2 से 13-10, 6 से 17-11, 4 से 15-12, (केवल हिंदी एवं मराठी भाषी)2021» 17 से 28-10, 21-11 से 2-12, 19 से 30-12, 2022»16 से 27-1, 20-2 से 3-3, 20 से 31-3, 17 से 28-4, 19 से 30-6, 17 से 28-7, 21-8 से 1-9, 18 से 29-9, 20-11 से 1-12, 18 से 29-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 2022» 4 से 12-9, **3-दिवसीय:** 2021»28 से 31-10, (केवल हिंदी एवं मराठी भाषी)2022» 13 से 16-10, (केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी)2022» 27 से 30-10, **2-दिवसीय:** (केवल हिंदी एवं मराठी भाषी)2022» 2 से 4-6, (केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी)2022» 15 से 17-9, **किशोरों का शिविर:** 2022»**1 से 9-5, किशोरियों का शिविर:** 2022»**15 से 23-5, 1-दिवसीय:** हर माह दुसरे गुरुवार तथा चौथे रविवार प्रात: 8:30 से 4:30 तक, # **2-दिवसीय बाल-शिविर:** (9 से 18 वर्ष) (लड़के) 10 से 11-5, (लड़किया) 13 से 14-5, # **बाल-शिविर:** (9 से 18 वर्ष) हर माह प्रथम तथा तिसरे रविवार (प्रात: 8 से दोपहर 2.30 तक)

दीर्घ शिविर कार्यक्रम (भारत)

विशेष 10-दिवसीय

6 से 17-10-2021	धम्मनाग - नागपुर (महाराष्ट्र)
6 से 17-10-2021	धम्मबोधि -बोधगया (बिहार)
15 से 26-10-2021	धम्मपट्ठान - सोनीपत (हरियाणा)
17 से 28-10-2021	धम्मसरोवर - धुळे (महाराष्ट्र)
20-11 से 1-12-2021	धम्मकल्याण - कानपुर (उ. प्र.)
14 से 25-12-2021	धम्मखेत्त - हैदराबाद (तेलंगाना)
6 से 17-4-2022	धम्मनाग - नागपुर (महाराष्ट्र)
10 से 21-4-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
19 से 30-6-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
13 से 24-7-2022	धम्मगिरि - इगतपुरी (महाराष्ट्र)
20 से 31-7-2022	धम्मपुब्बज - चूरू (राजस्थान)
9 से 20-8-2022	धम्मभण्डार - भंडारा (महाराष्ट्र)
20 से 31-8-2022	धम्मवाहिनी - टिटवाला
20 से 31-8-2022	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)
9 से 20-10-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
12 से 23-10-2022	धम्मसेतु - चेन्नई (तमिलनाडु)
20 से 31-12-2022	धम्मपुब्बज - चूरू (राजस्थान)

कृतज्ञता शिविर

16-1 से 6-2-2022	धम्मविपुल - बेलापुर (नवी मुंबई)
26-1 से 10-2-2022	धम्मपीठ - अहमदाबाद (गुजरात)
2 ते 17-2-2022	धम्मगिरि - इगतपुरी (महाराष्ट्र)
2 ते 17-2-2022	धम्मसरोवर - धुळे (महाराष्ट्र)
2 से 17-02-2021	धम्मनाग - नागपुर (महाराष्ट्र)
2 से 17-2-2022	धम्मपुब्बज - चूरू (राजस्थान)
2 से 17-2-2022	धम्मसेतु - चेन्नई (तमिलनाडु)
2 से 17-2-2022	धम्म मधुरा - मदुराई (तमिलनाडु)
2 से 17-2-2022	धम्म नागाज्जुन -2 नागार्जनसागर (तेलंगाना)
2 से 17-2-2023	धम्म नागाज्जुन -2 नागार्जनसागर (तेलंगाना)

20-दिवसीय

28-9 से 19-10-2021	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
6 से 27-10-2021	धम्मबोधि - बोधगया (बिहार)
7 से 28-11-2021	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)
27-10 से 17-11-2021	धम्मवाहिनी - टिटवाला
4 से 25-12-2021	धम्मलक्खण - लखनऊ (उ. प्र.)
14-12-21 से 4-1-22	धम्मखेत्त - हैदराबाद (तेलंगाना)
6 से 27-2-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
2 से 23-2-2022	धम्मसेतु - चेन्नई (तमिलनाडु)
4 से 25-5-2022	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
10 से 31-7-2022	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)
28-10 से 17-11-2022	धम्मसरोवर - धुळे (महाराष्ट्र)
28-10 से 18-11-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
11-11 से 2-12-2022	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)

30-दिवसीय

25-9 से 26-10-2021	धम्मतपोवन-2 - इगतपुरी (महाराष्ट्र)
1-10 to 1-11-2021	धम्मउत्कल - खरियार रोड (उडीसा)
22-10 से 22-11-2021	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
6-11 से 7-12-2021	धम्मचक्क - सारनाथ (उ. प्र.)
7-11 से 8-12-2021	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)
20-11 से 21-12-2021	धम्मवाहिनी - टिटवाला
21-12-2021 से 21-1-2022	धम्म अम्बिका - दक्षिण गुजरात, गुजरात
14-12-21 से 14-1-22	धम्मखेत्त - हैदराबाद (तेलंगाना)
30-1 से 2-3-2022	धम्मकेतु - दुर्ग (छत्तीसगढ़)
2-2 से 5-3-2022	धम्मसेतु - चेन्नई (तमिलनाडु)
6-2 से 9-3-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
4-5 से 4-6-2022	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
10-7 से 10-8-2022	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)
26-10 से 26-11-2022	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
28-10 से 28-11-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
11-11 से 12-12-2022	धम्म पुष्कर - पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)

45-दिवसीय

25-9 से 10-11-2021	धम्मतपोवन-2 - इगतपुरी (महाराष्ट्र)
15-10 से 30-11-2021	धम्मसुवत्थी - श्रावस्ती (उ. प्र.)
22-10 से 7-12-2021	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
2-11 से 18-12-2021	धम्मपट्ठान - सोनीपत (हरियाणा)
20-11 से 5-1-2022	धम्मवाहिनी - टिटवाला
13-12 से 28-01-2021	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
17-12-2021 से 1-2-2022	धम्मपाल - भोपाल (म.प्र.)
19-12 से 3-2-2022	धम्मतपोवन-1 - इगतपुरी (महाराष्ट्र)
21-12-2021 से 5-2-2022	धम्म अम्बिका - दक्षिण गुजरात, गुजरात
1-1 से 16-2-2022	धम्मसिन्धु - मांडवी-कच्छ (गुजरात)
6-2 से 24-3-2022	धम्मथली - जयपुर (राजस्थान)
9-2-2022 से 27-3-2022	धम्मबोधि - बोधगया (बिहार)
26-10 से 11-12-2022	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)
14-12-22 से 29-1-2023	धम्म नागाज्जुन -2 - नागार्जनसागर (तेलंगाना)

60-दिवसीय

12-10 से 12-12-2021	धम्मतपोवन-1 - इगतपुरी (महाराष्ट्र)
17-12 से 16-2-2022	धम्मतपोवन-2 - इगतपुरी (महाराष्ट्र)

धम्मअजन्ता : औरंगाबाद (महाराष्ट्र)

अजंता अंतर्राष्ट्रीय विपश्यना समिति, गट नं. 45 रामपुरी, वैजापुर रोड, औरंगाबाद-431003. **संपर्क:** फोन: (0240) 2040444, मोबाईल: 94222-11344, 99218-17430. Email: info@dhammaajanta.org; **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 1 से 12-12, 15 से 26-12, 29-12 से 9-1-2022 ◊ **सतिपट्ठान:** 17 से 25-11, **2-दिवसीय:** 26 से 28-11, **किशोरियों का शिविर:** 8 से 16-11,

धम्मसरोवर : धुळे (महाराष्ट्र)

खान्देश विपश्यना साधना केंद्र, डेडरगांव जलशुद्धिकरण केंद्र के पास, मु. पो. तिखी, जिला- धुळे, पिन: 424002; (बिना बुकिंग प्रवेश नही) (केंद्र जाने के लिए "पाच कंदील" के पास "शेरे पंजाब लॉज" पहुँचें। वहां से तिखी गांव के लिए ऑटोरिक्शा मिलते हैं। **दस-दिवसीय: 2021**» 26-9 से 7-10, 7 से 18-11, 21-11 से 2-12, 16 से 27-12, **2022**» 2 से 13-1, 16 से 27-1, 20-2 से 3-3, 6 से 17-3, 3 से 14-4, 17 से 28-4, 8 से 19-5, 22-5 से

2-6, 5 से 16-6, 3 से 14-7, 17 से 28-7, 14 से 25-8, 4 से 15-9, 18 से 29-9, 9 से 20-10, 20-11 से 1-12, 4 से 15-12, ◊ **सतिपट्ठान: 2021**» 5 से 14-12, **2022**» 20 से 29-3, 19 से 28-6, 31-7 से 9-8, 18 से 27-12, **2-दिवसीय: 2021**» 12 से 14-10, **2022**» 28 से 30-1, 4 से 6-5, 27 से 29-8, 2 से 4-10, # **1-दिवसीय बाल-शिविर: 2021**» 10-10, 1-11, 29-12, 30-12, **2022**» 1-5, 21-10, 29-12. 30-12, **कृतज्ञता-शिविर:** 2022» 2 से 17-2

∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2021**» 17 से 28-10, 20-**दिवसीय: 2022**» 28-10 से 17-11, **संपर्क:** डॉ. देवरे, फोन: 222861, मोबा. 99226-07718, Email: info@sarovara.dhamma.org

धम्मसिद्धपुरी : भाटेगाव, सोलापुर

धम्मसिद्धपुरी विपश्यना ध्यान केंद्र, off विजापुर रोड, भाटेवाडी के पास, सोरेगाव - डोणगाव का रास्ता, सोरेगाव से 4 कि.मी. ता. उत्तर सोलापुर, जिला. सोलापुर-413002, Email: solapurvipassana@gmail.com, **संपर्क:** 1) श्री सम्राट पाटील, मोबा. 7620592920, 9011908000, 2) श्री भालचंद्र उकरंदे, मोबा. 9860759866, **दस-दिवसीय:** 29-9 से 10-10, 13 से 24-10, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, 29-12 से 9-1, **2-दिवसीय:** 11 से 14-11, **किशोरों का शिविर:** 26-10 से 3-11,

धम्मालय : कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

दक्खिन विपश्यना अनुसंधान केन्द्र, (बिना बुकिंग प्रवेश नहीं) रामलिंग रोड, आलते पार्क, आलते, ता. हातकनंगले (रेलवे स्टेशन), जि. कोल्हापुर-416123. Email: info@alaya.dhamma.org, फोन: **संपर्क:** मोबा. 97674-13232. 9697933232, 7420943232, **दस-दिवसीय:** (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी) 7 से 18-11, 21-11 से 2-12, 5 से 16-12, 19 से 30-12, (हिंदी एवं मराठी भाषी)» 3 से 14-10, 17 से 28-10, (हिंदी, अंग्रेजी तथा कन्नडी भाषी)» 11 से 22-7, ◊ **सतिपट्ठान:** (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी)» 5 से 14-10, 21 से 30-12, **2-दिवसीय:** (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी) 29 से 31-10, # **2-दिवसीय बाल-शिविर:** (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषी) **धम्मसेवक कार्यशाला:** (हिंदी एवं मराठी भाषी)» 19 से 20-11,

धम्मनाग : नागपुर (महाराष्ट्र)

नागपुर विपश्यना केंद्र, माहुरझरी गांव, नागपुर-कलमेश्वर रोड के पास. Email: info@naga.dhamma.org, **संपर्क:** मोबाइल: 9403870195, 9422182336, 9370990771, 9423403294. (बिना बुकिंग प्रवेश नहीं) **दस-दिवसीय: 2021**» 22-9 से 3-10, (केवल पुराने साधक 6 से 17-10), 20 से 31-10, 10 से 21-11, 24-11 से 5-12, 8 से 19-12, **2022**» 4 से 15-1, 18 से 29-1, 23-2 से 6-3, 23-3 से 3-4, 20-4 से 1-5, 8 से 19-6, 22-6 से 3-7, 6 से 17-7, 20 से 31-7, 3 से 14-8, 17 से 28-8, 31-8 से 11-9, 14 से 25-9, 28-9 से 9-10, 12 से 23-10, 26-10 से 6-11, 9 से 20-11, 23-11 से 4-12, 7 से 18-12, ◊ **सतिपट्ठान: 2021**» 24-12 से 1-1-2022, 2022» 27-5 से 4-6, 24-12 से 1-1-2023, **3-दिवसीय: 2021**» 3 से 6-11, **2022**» 17 से 20-3, 19 से 22-12, **1-दिवसीय: 2022**» 16-5, **किशोरियों का शिविर:** 2022» 3 से 11-5, **किशोरों का शिविर:** 2022» 18 से 26-5, **सहायक आचार्य कार्यशाला:** 2022» **9 से 13-3,** **कृतज्ञता-शिविर:** 2022» 2 से 17-2,

∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2021**» 6 से 17-10, 2022» 6 से 17-4, **संपर्क:** सचिव, कल्याणमित्र चैरिटेबल ट्रस्ट, अभ्यंकर स्मारक भवन, अभ्यंकर रोड, धन्तोली, नागपुर-440012. फोन: 0712- 2458686, 2420261. (सभी पत्र-व्यवहार इसी पते पर करें।)

धम्मसुगति : सुगतनगर (नागपुर)

विपश्यना साधना केंद्र, सुगतनगर, नागपुर-14, फोन नं. (0712)2630115. **दस-दिवसीय:** 1 से 12-10, 8 से 19-11, 8 से 19-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 22 से 30-12, **3-दिवसीय:** 21 से 24-10, 24 से 27-11, **1-दिवसीय:** 21-11, 6-12, # **बाल-शिविर:** 21 से 24-10, **सामू. साधना:** हर रोज प्रात: 5 से 6 तथा सायं 6 से 7 तक एवं हर रविवार प्रात: 8 से 9; # **बाल आनापान सामू. साधना: हर** रविवार प्रात: 8 से 9, **संपर्क:** 1) श्री सुखदेव नारनवरे, मोबा. 9422129229. 2) श्री कमलेश चाहन्दे, मोबा. 9373104305.,

धम्ममल्ल : यवतमाल (महाराष्ट्र)

विपश्यना केंद्र, धनश्री नगर, आय. टी. आय. के पीछे, पिंपलगांव बायपास, यवतमाल - 445001, **दस-दिवसीय:** 19 से 30-10, 3 से 14-11, 7 से 18-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 19 से 27-11, **1-दिवसीय:** 29-9, 10-10, 5-12, # **बाल-शिविर:** 3-10, 28-11, 26-12, **संपर्क:** 1) श्री ई. डी. गडलिंग, मोबा. 9422865661, 2) डा. राजकुमार भगत, मोबा. 9423432475, 3) देवेंद्र मेश्राम 9822235527.

धम्म अमरावती : लुंबिनी, मोगरा

विपश्यना केंद्र, लुंबिनी मोगरा, पो. भानखेडा, ता. जि. अमरावती **संपर्क:** 1) श्री किशोर देशमुख मोबा. 9370585203, 2) श्री बाबुजी सिरसाट, मोबा. 8007676033, **दस-दिवसीय:** (पुरुष तथा महिला)» 21-10 से 1-11, 15 से 26-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 21 से 29-11, **1-दिवसीय:** 29-9,

चिटकी (वर्धा): **धम्मकुटी विपश्यना केंद्र, चिटकी,** पुलगाव, पो. कवठा, ता. देवळी, जि. वर्धा, **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 6 से 17-11, 7 से 18-12, **संपर्क:** श्री खंडारे, फोन: 07158-284372, मोबा. 9028494401, श्री भेले, मोबा. 9834603076,

तुमसर (भंडारा): **दस-दिवसीय:** 20 से 31-10, 17 से 28-11, 15 से 26-12, **3-दिवसीय:** 16 से 19-10, **1-दिवसीय:** 1-10, # **बाल-शिविर** 18-10, 29-11, 26-12, **स्थान:** बुद्धविहार ॲण्ड वेलफेअर सेंटर, चुल्हाड, तुमसर, जि. भंडारा मोबा. 096236-68240, **संपर्क:** 1) श्री डोंगरे, मोबा. 6260450436, 2) श्री चौरे, मोबा. 98904-41071, 3) श्री विजु गोंडाणे, मोबा. 096236-68240,

धम्मभण्डार : भंडारा (महाराष्ट्र)

विपश्यना केंद्र, राहुल कॉलनी, रेलवे लाइन के पास, सहकार नगर, भंडारा 441904, **दस-दिवसीय:2021**» 21-9 से 2-10, 4 से 15-12, 2022» 5 से 16-1, 1 से 12-2, 1 से 12-3, 19 से 30-7, 6 से 17-9, 11 से 22-10, 15 से 26-11, 7 से 18-12, ◊ **सतिपट्ठान:2021**» 21 से 29-11, 2022» 2 से 10-4, 3 से 11-11, **3-दिवसीय:2022**» **17 से 23-3, 2-दिवसीय:2021**» 24 to 26-12, **2022**» 18 से 20-2, **1-दिवसीय:2021**» 3-10, 19-10, **2022**» 16-1, 30-1, 24-4, 16-5, 19-6, 21-8, 25-9, 27-11, 18-12, **किशोरियों का शिविर:2021**» 7 से 16-11, # **2-दिवसीय बाल-शिविर: 2021**» 15 से 16-11, 1 से 2-5, # **1-दिवसीय बाल-शिविर:2021**» 10-10, 19-12, **2022**» 27-2, 26-4, 10-5, 24-5, 14-6, 28-6, 31-7, 25-8, 9-10, 25-12, **धम्मसम्मेलन: 2022**» 13-2,

∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2022**» 9 से 20-8, **संपर्क:** सलूजा, 09423673572, चौरे, 9890441071, विनोद, 9422833002,

धम्म निरंजन : नांदेड

विपश्यना साधना केंद्र, नई डंकीण (गोदावरी नदी के किनारे) नांदेड, **संपर्क:** 1) श्री दहिवेले, मोबाइल: 9423148636. 2) श्री भावे, मोबा. 9421572499, **दस-दिवसीय:** (केवल महिलाएं)» 6 से 17-10, 8 से 19-12, (केवल पुरुष)» 17 से 28-11, # **3-दिवसीय बाल-शिविर: (केवल लड़के)» 7 से 10-11, (केवल लड़किया)»** 11 से 14-11, **1-दिवसीय: 17-10, 29-12, स्वयं शिविर: हर रविवार प्रात: 6 से 10 तक** # **बाल आनापान ऑनलाईन शिविर:** हर माह तीसरे रविवार **धम्मसेवक कार्यशाला: 10-1,**

धम्म वसुधा : हिवरा, वर्धा

विपश्यना केंद्र, हिवरा पोस्ट झडशी, ता. सेलु, जि. वर्धा, Email: dhammavasudha@gmail.com 100, सागर, सुयोग नगर, नागपुर-440015. मोबा. **दस-दिवसीय:** 17 से 28-10, 10 से 21-11, (केवल पुरुष **पुराने साधक** 10 to 21-11,) (केवल महिलाएं **पुरानी साधकाएं** 1 to 12-12), ◊ **सतिपट्ठान: 1 से 9-12, संपर्क:** 1) श्री बांते, 9326732550, 9326732547. 2) श्री काटवे, मोबा. 9890309738.

धम्मअनाकुल : खापरखेड़ा फाटा, तेल्हारा (अकोला)

विपश्यना साधना केंद्र, खापरखेड़ा फाटा, तेल्हारा-444108 जि. अकोला **Email:** info.anakula.@vridhamma.org, **Website:** www.anakula.dhamma.org, मोबा. 9421156138, 9881204125, 9421833060, **दस-दिवसीय:** (केवल पुरुष)» 20 से 31-10, 24-11 से 5-12, (केवल महिलाएं)» 4 से 15-10, 10 से 21-11, 8 से 19-12, **3-दिवसीय:** 29-9 से 2-10, 23 से 26-12, **1-दिवसीय: 19-10, संपर्क:** 1) विपश्यना चैरिटेबल ट्रस्ट, शेगांव, फोन: 95798-67890, 98812-04125. 2) श्री आनंद, मोबा. 94221-81970.

कोटंबा (यवतमाळ): दस-दिवसीय: (पुरुष तथा महिला)» 2 से 13-10, 5 से 16-12 (केवल महिलाएं) » 1 से 12-8-2021 (केवल क्षिणियां तथा महिला) 7 से 18-11, **1-दिवसीय:** हर रविवार सुबह 8 से 3 तक # **बाल-शिविर:** 17-10, 28-11, 26-12, **संपर्क:** धम्मभूमि विपश्यना चॅरीटेबल ट्रस्ट, कोटंबा ता. बाभुळगांव जि. यवतमाळ-445001. मोबा. 9822896453, 7776964808, 7038918204, 9175622575,

मलकापुर: (अकोला) दस-दिवसीय: (केवल पुरुष)» 3 से 14-10, (केवल महिलाएं)» 12 से 23-12, 1 से 12-6, **स्थान:** भदन्त आनंद निवास, राजरतन कॉलनी येवता रोड मलकापुर जि. अकोला. 444001, मोबा. 9421937014, **संपर्क:** 1) श्री तायडे, मोबा. 9421794874, 2) श्री आठवले, मोबा. 9404092468.

पातुर: (अकोला) विपश्यना साधना प्रसार केंद्र, शिरला, पातुर जि. अकोला - 444501, **दस-दिवसीय:** (केवल महिलाएं)» 20-11 से 1-12, 20 से 28-12, (केवल भिक्षु 23-10 से 3-11) # **3-दिवसीय बाल-शिविर:** (10 से 17 वर्ष) 7 से 10-11, **1-दिवसीय:** हर माह दूसरे रविवार, समय 9 से 5, # **बाल-शिविर:** (उम्र 10 से 16 वर्ष) हर माह तीसरे रविवार, समय 9 से 5, **संपर्क:** 1) श्री. जगन्नाथ गवई, मोबा. 07775928290, 2) श्रीमती ज्योतीताई वानखेडे, मोबा. 9921998803,

धम्मजलगांव : जलगांव

विपश्यना केंद्र, गट नं. 99/12, मैत्री हिल्स अजिंठा रोड, उमाळा गांव, ता. जि. जळगांव-425001, फोन: (0257) 2229477, मोबा. 9422292161, Email: dhammajalgaon@gmail.com, online registration www.jalgaon.dhamma.org, **संपर्क:** श्री सुभाष तलरेजा, मोबा. 7588436222, 7588009584, **1-दिवसीय:** (केवल पुरुष)» **3-10, 7-11, 5-12,** (केवल महिलाएं)» 17-10, 21-11, 19-12, **संपर्क:** 7588436222, 8421532276.

धम्मअजय : चंद्रपुर (महाराष्ट्र)

विपश्यना साधना केंद्र, ग्राम - अजयपूर, पो. चिचपल्ली, मुल रोड, चंद्रपुर, Online Registration :- Website :- www.ajaya.dhamma.org, Email: dhammaajaya@gmail.com, **संपर्क:** 1) मिलींद घरडे, सुगतनगर, नगीनाबाग वार्ड, नं. 2, चंद्रपूर-442401, मोबा. 80071-51050, 9226137722, 2) श्री गौतम चिकटे, मोबा. 9421812541, 9422506476, **दस-दिवसीय:** 29-9 से 10-10, 17 से 28-10, 1 से 12-11, 8 से 19-12, 26-12 से 7-1, ◊ **सतिपट्ठान:** 27-11 से 5-12, **2-दिवसीय:** 19 से 21-11, **1-दिवसीय:** 26-9, 10-10, 19-12,

धम्मपदेश : पाली (रत्नागिरी)

कोंकण विपश्यना मेडीटेशन सेंटर, मु. पाथरट, पो. पाली, जि. - रत्नागिरी - 415803, **Email:** info@pades.dhamma.org, **Website:** https://pages.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 15 से 26-10, 1 से 12-11, 15 से 26-11, 1 से 12-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 15 से 24-12, **संपर्क:** 1. श्री संतोष आयरे 1) 9975434754 / 9960503598

महाड: दस-दिवसीय: (केवल पुरुष)» 3 से 14-10, 17 से 28-10, 7 से 28-11, 21-11 से 2-12, 5 से 16-12, 19 से 30-12, **3-दिवसीय:** (केवल पुरुष)» 26 से 29-8, 28 से 31-10, , **1-दिवसीय: हर माह** पहले रविवार प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक, # **बाल शिविर:** हर माह तीसरे रविवार प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक, **स्थान:** डा. बाबासाहेब आंबेडकर मेमोरीयल हॉल, विपश्यना शिवाजी चौक, कोटेश्वरी तले, महाड-402301, जिला: रायगड, **संपर्क: (020) 24436250,** Email: info@punna.dhamma.org, मोबा: 7719070011.

धम्मसुगन्ध : भोसे (सांगली)

सांगली विपश्यना साधना केंद्र, गट नं. 564, तलाव रोड, यल्लमा मंदीर के पास, खामकरवाडी, भोसे -416420, ता. मिरज, जि. सांगली, Email: info@sugandha.dhamma.org, फोन: 9422410436, 9403841943, online registration www.dhamma.org/en/schedules/schsugandha, **संपर्क: 1)** डॉ. अमीत पाटिल, मोबा. 9222161236, 2) श्री संजय चौगुले, मोबा. 7249711008, **दस-दिवसीय:** (केवल पुरुष)» 3 से 14-10, 7 से 18-11, 21-11 से 2-12, 5 से 16-12, 19 से 30-12, ◊ **सतिपट्ठान: 17 से 26-10, 3-दिवसीय: 23 से 26-9, 2-दिवसीय:** 16 से 18-12, (**1-दिवसीय:** हर माह पहले रविवार, **स्थान:** निशिधी मालवाडी, पो. भिलवाडी, ता. पलुस, जिला:- सांगली) (**1-दिवसीय:** हर माह दूसरे रविवार ■ **बाल-शिविर:** हर माह तिसरे रविवार (8 से 15 वर्ष) सुबह 9 से दोपहर 3 तक **स्थान:** मानव राहत ट्रस्ट, तीसरी मंजिल, सिविल हास्पिटल के पास, सांगली)

जयपुर एवं उत्तर भारत

धम्मथली : जयपुर (राजस्थान)

राजस्थान विपश्यना केन्द्र, पो.बॉ. 208, जयपुर-302001, **पंजीकरण संपर्क:** मोबा. 0-99301-17187, 9610401401, 9828804808, Email: info@thali.dhamma.org, Website: www.thali.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 7 से 18-11, 21-11 से 2-12, 5 से 16-12, 22-12 से 2-1-2022. **2022»** 4 से 15-1, 18 से 29-1, 27-3 से 7-4, 10 से 21-4, 24-4 से 5-5, 8 से 19-5, 22-5 से 2-6, 5 से 16-6, 19 से 30-6, 3 से 14-7, 17 से 28-7, 31-7 से 11-

8, 13 से 24-8, 28-8 से 8-9, 11 से 22-9, 25-9 से 6-10, 9 से 20-10, 30-11 से 11-12, 22-12 से 2-1-2023, ◊ **सतिपट्ठान: 2022»** 29-3 से 6-4, 7 से 15-6, 19 से 27-7, 12 से 20-12, **3-दिवसीय: 2021»**16 से 19-12, **धम्मउत्सव: 2022»**16-1, **धम्मसेवक कार्यशाला: 2022»**30-1, ∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2022»** 10 से 21-4, 19 से 30-6, 9 से 20-10, **20-दिवसीय: 2021»** 28-9 से 19-10, **2022»** 6 से 27-2, 28-10 से 18-11, **2022» 30-दिवसीय:** 6-2 से 9-3, 28-10 से 28-11, **45-दिवसीय: 2022»** 6-2 से 24-3,

धम्म पुष्कर : पुष्कर (अजमेर, राजस्थान)

विपश्यना केन्द्र, ग्राम रेवत (केडेल), पर्वतसर रोड, पुष्कर, जि. अजमेर. मोबा. 91-94133-07570. फोन: 91-145-2780570, Website: www.pushkar.dhamma.org, **दस-दिवसीय: 2021»**26-9 से 7-10, 10 से 21-10, 23-12 से 3-1, **2022»**26-1 से 6-2, 9 से 20-2, 23-2 से 7-3, 20 से 31-3, 2 से 13-4, 20-4 से 1-5, 4 से 15-5, 12 से 23-6, 25-6 से 6-7, 1 से 12-9, 14 से 25-9, 28-9 से 9-10, 27-10 से 7-11, 23-12 से 3-1, ◆ **सतिपट्ठान: 2021»** 23 से 31-10, 11 से 19-12, **2022»** 15 से 23-1, 9 से 17-3, 12 से 20-10, 13 से 21-12, **किशोरों का शिविर: 2022»** 5 से 13-1, 1 से 9-6, # **बाल शिविर 2-दिवसीय:** 15 से 17-4, 13 से 15-8, ●● **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2022»** 20 से 31-8, **20-दिवसीय: 2021»** 7 से 28-11, **2022»** 10 से 31-7, 11-11 से 2-12, **30-दिवसीय: 2021»**7-11 से 8-12, **2022»** 10-7 से 10-8, 11-11 से 12-12, **संपर्क:** 1) श्री रवि तोषणीवाल, मोबा. 09829071778, Email: dhammapushkar@gmail.com, 2) श्री अनिल धारीवाल, मोबा. 098290 28275. Email: corporate@toshcon.com, फैक्स: 0145-2787131.

धम्ममरुधर : जोधपुर (राजस्थान)

विपश्यना साधना केंद्र, लहरिया रिसोर्ट के पीछे, अध्यात्म विज्ञाग सस्तग केंद्र के पास चौपासनी जोधपुर-342008. मोबा. 9829007520, Email: info@marudhara.dhamma.org. **दस-दिवसीय: 2021»** 9 से 20-10, 23-10 से 3-11, 7 से 18-11, 22-11 से 3-12, 20 से 31-12 **2022»** 2से 13-1, 15 से 26-1, 30-1 से 10-2, 14 से 25-2, 21-3 से 1-4, 13 से 24-4, 28-4 से 9-5, 21-6 से 2-7, 5 से 16-7, 19 से 30-7, 2 से 14-8, 31-8 से 11-9, 23-9 से 4-10, 19 से 22-10, 28-10 से 8-11, 11 से 22-11, 25-11 से 6-12, ◊ **सतिपट्ठान: 2021»** 29-9 से 7-10, **2022»**9 से 17-3, 28-5 से 5-6, 8 से 16-10, 23 से 31-12, **3-दिवसीय: 2021»** 7 से 10-12, **2022»** 2 से 5-3, 4 से 7-4, 9 से 12-12, **किशोरों का शिविर: 2022»** 10 से 18-6, **किशोरियों का शिविर: 2022»**19 से 27-8, # **बाल शिविर 3-दिवसीय: 2021»** (13 से 16 वर्ष केवल लड़किया) 25 से 28-8, # **बाल शिविर 2-दिवसीय: 2022»** (लड़के, लड़किया) 16 से 18-9,

संपर्क: 1) श्री नेमीचंद भंडारी, 41-42, अशोक नगर, पाल लींक रोड, जोधपुर-342003. Email: dhamma.maroodhara@gmail.com; मोबा.: Whatsapp No. 9887099049, 8233013020.

धम्मपुब्बज, चूरू (राजस्थान)

पुब्बज भूमि विपश्यना ट्रस्ट, भालेरी रोड, (चूरू से 6 कि.मी.) चूरू (राजस्थान): फोन: 9664481738, **संपर्क:** 1) श्री एस. पी शर्मा, Email: dhammapubbaja@gmail.com, info@pubbaja.dhamma.org, मोबा. 07627049859, 2) श्री सुरेश खन्ना, Email: sureshkhanna56@yahoo.com; (मोबा. 94131-57056, 9887099049, Whatsapp Only) **दस-दिवसीय: 2021»** 17 से 28-10, 8 से 19-11, 23-11 से 4-12, **2022»**1 से 12-1, 22-2 से 5-3, 9 से 20-3, 23-3 से 3-4, 7 से 18-4, 27-5 से 7-6, 22-6 से 3-7, 6 से 17-7, 3 से 14-8, 9 से 20-9, 5 से 16-10, 26-10 से 6-11, 11 से 22-11, 25-11 से 6-12, ◊ **सतिपट्ठान: 2021»** 28-9 से 6-10, 22 से 30-12, **2022»**15 से 23-1, 29-4 से 7-5, 19 से 27-8, **3-दिवसीय: 2021»** 9 से 12-10, 8 से 11-12, **2022»**26 से 29-1, 21 से 24-4, 23 से 26-9, 19 से 22-10, 9 से 12-12, **किशोरों का शिविर: 2022»** 10 से 18-6, **1-दिवसीय: 2022»** 8-5, # **बाल शिविर 2-दिवसीय: 2021»** (13 से 16 वर्ष लड़के) 31-10 से 2-11, **2022»** 2 से 4-9, (13 से 16 वर्ष केवल लड़किया)**» 2022»**30-9 से 2-10, **कृतज्ञता-शिविर: 2022»**2 से 17-2, ●● **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2022»** 20 से 31-7, 20 से 31-12,

धम्मसोत : सोहना (हरियाणा)

विपश्यना साधना संस्थान, राहका गांव, (निम्मोद पुलिस थाना के पास), पो. सोहना, बल्लभगढ़-सोहना रोड, (सोहना से 12 कि.मी.), जिला- गुडगांव, हरियाणा. मोबा. 9812655599, 9812641400. (बल्लभगढ़ और सोहना से बस उपलब्ध है।) **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 3 से 14-11, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, **संपर्क:** विपश्यना साधना संस्थान, रूम न. 1015, 10 वां तल, हेमकुंठ/मोदी टावर्स, 98 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019. फोन: (011) 2645-2772, 4658-5455, Email: reg.dhammasota@gmail.com

धम्मपट्ठान : सोनीपत (हरियाणा)

विपश्यना साधना संस्थान, कम्मासपुर, जि. सोनीपत, हरियाणा, पिन-131001. मोबा. 09991874524, Email: reg.dhammapatthana@gmail.com, ◊ **सतिपट्ठान:** 23 से 31-12, **सहायक आचार्य कार्यशाला:** 2 से 5-10, **धम्मसेवक कार्यशाला:** 6 से 7-10, ∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय:** 15 से 26-10, **45-दिवसीय:** (15 दिवसीय आनापान) 2-11 से 18-12, **संपर्क:** धम्मसोत-संपर्क पर.

धम्मकारुणिक : करनाल (हरियाणा)

विपश्यना साधना संस्थान, एअर पोर्ट/कुंजपुरा रोड, गव्हरमेंट स्कूल के पास, गाँव नेवल, करनाल-132001; मोबा. 7056750605, **पंजीकरण संपर्क:** 1) श्री आर्य, मोबा. 8572051575, 9416781575, 2) श्री वर्मा, मोबा. 9992000601, (सायं 3 से 5 तक) Email: reg.dhammakarunika@gmail.com,

दस-दिवसीय: 13 से 24-10, 10 से 21-11, 24-11 से 5-12, 8 से 19-12, 22 से 2-1-2022, ◊ **सतिपट्ठान:** 27-10 से 4-11,

धम्महितकारी : रोहतक (हरियाणा)

विपश्यना ध्यान समिति, लाहली - आंवल रोड, गाँव लाहली, तहसील - कलानौर, जिला: रोहतक - 124001, **संपर्क:** 92543-48837, 9416303639. **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 6 से 14-11,

धम्मधज : होशियारपुर (पंजाब)

पंजाब विपश्यना ट्रस्ट, गाव आनंदगढ़, पो. मेहलांवली जिला-होशियारपुर - 146110, पंजाब फोन: (01882) 272333, मोबाईल: 94651-43488. Email: info@dhaja.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 6 से 14-11,

धम्मसिखर : धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)

हिमाचल विपश्यना केंद्र, धरमकोट मैकलोडगंज, धर्मशाला, जिला- कांगरा, पिन-176219 (हि. प्र.). फोन: 09218514051, 09218414051, (पंजीकरण के लिए फोन सायं 4 से 5) Email: info@sikhara.dhamma.org, **दस-दिवसीय: 2021»** अप्रेल से नवंबर हर माह 1 से 12 तथा 15 से 26. केवल अन्य शिविरों के समय नहीं ◊ **सतिपट्ठान:** 15 से 23-11, **3-दिवसीय:** 23 से 26-11,

धम्मलद्ध : लेह-लद्दाख (जम्मू-कश्मीर)

विपश्यना साधना केंद्र, लद्दाख, (लेह से 8/9 कि. मी.) **संपर्क:** श्री लोभझंग विसुद्धा, एन्शट ट्रॅक्स, मोबाईल: (91) 9906971808, 9419862542. **दस-दिवसीय:** हर माह: 1 से 12 तथा 16 से 27 (सतिपट्ठान आदि छोड़ कर). ◊ **सतिपट्ठान:** 15 से 23-12, सामू. साधना: हर रविवार प्रात: 9:00 से **1-दिवसीय:** हर माह दूसरे रविवार. Email: lvisuddha@yahoo.com; info@ladakh.in.dhamma.org,

धम्मसलिल : देहरादून (उत्तरांचल प्र.)

देहरादून विपश्यना केंद्र, जनतनवाला गांव, देहरादून कॅन्ट तथा संतला देवी मंदिर के पास, देहरादून-248001. फोन: 0135-2715189, 2715127, 94120-53748, 70783-98566, Email: reg.dhammasalila@gmail.com; **दस-दिवसीय:** 20 से 31-10, 10 से 21-11, 24-11 से 5-12, 8 से 19-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 5 से 13-10, 3 से 11-4, 22 से 30-12, **2-दिवसीय:** 17 से 19-10, **संपर्क:** 1) श्री भंडारी, 16 टैगोर विला, चक्राता रोड, देहरादून-248001. फोन: (0135) 2104555, 07078398566, फैक्स: 2715580.

धम्मलक्खण : लखनऊ (उ. प्र.)

विपश्यना साधना केंद्र, अस्ती रोड, बक्शी का तालाब, लखनऊ-227202. (शिविर प्रारम्भ के दिन दोपहर 2 से 3 तक बक्शी का तालाब रेलवे क्रासिंग से वाहन सुविधा उपलब्ध।) Email: info@lakkhana.dhamma.org, मोबा. 97945-45334, 9453211879, **दस-दिवसीय:** 4 से 15-10, 4 से 15-11, 19 से 30-11, ◊ **सतिपट्ठान:** 19 से 27-10, **3-दिवसीय:** 28 से 31-10, **2-दिवसीय:** 15 से 17-10, 15 से 17-11, # **3-दिवसीय बाल शिविर:** (13 से 17 वर्ष लड़के) 26 से 29-12, (13 से 17 केवल लड़किया) 30-12-21 से 2-1-22, ∞ **दीर्घ-शिविर: 20-दिवसीय:** 4 से 25-12, **संपर्क:** 1) श्री राजकुमार सिंह, मोबा. 9616744793, 2) श्री पंकज जैन, मोबा. 098391-20032, 3) श्रीमती मृदुला मुकेश, मोबा. 94150-10879, 4) श्री राजीव यादव, मोबा. 9415136560.

धम्मसुवत्थी : श्रावस्ती (उ. प्र.)

जेतवन विपश्यना साधना केंद्र, कटरा बाईपास रोड, बुद्धा इंटर कालेज के सामने, श्रावस्ती, पिन- 271845; फोन: (05252) 265439, 09335833375 Email: info@suvatthi.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 2 से 13-10, 2 से 13-12, 2 से 13-1, ◊ **सतिपट्ठान:** 14 से 22-12, # **बाल शिविर:** (8 से 12 वर्ष लड़के, तथा 8 से 16 वर्ष लड़किया)» 24 से 27-12, (12 से 16 वर्ष केवल लड़के)» 28 से 31-12, ∞ **दीर्घ-शिविर: 45-दिवसीय:** 15-10 से 30-11, **संपर्क:** 1) मोबा. 094157-51053, 2) श्री मुरली मनोहर, मातन हेलीया. मोबा. 094150-36896,

धम्मचक्क : सारनाथ (उ. प्र.)

विपश्यना साधना केंद्र, खरगीपुर गांव, पो. पियरी, चौबेपुर, (सारनाथ), वाराणसी. मोबा: 09307093485; 09936234823, Email: info@cakka.dhamma.org, (सारनाथ म्युजियम से ऑटोरिक्शा 100/- है।) **दस-दिवसीय:** 3 से 14-10, 18 से 29-10, 3 से 14-10, 18 से 29-10, 20 से 31-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 9 से 17-12, **बाल शिविर शिक्षक कार्यशाला:** 30-10 से 2-11,

∞ **दीर्घ-शिविर: 30-दिवसीय:** 6-11 से 7-12, **संपर्क:** मंजू अग्रवाल, मो. 99366-91000, Email: manju.ag4@gmail.com,

धम्मकाया कुशीनगर (उ.प्र.)

धम्मकाया विपश्यना साधना केंद्र, ग्राम- धूरिया भाट, बनवारी टोला के पास तहसील- कसया, देवरिया रोड, तहसील कसया, जिला- कुशीनगर-274402, (उ.प्र.) मोबा. 919415277542. Email: dhammakaaya.vskk@gmail.com; **दस-दिवसीय: — हर माह 1 से 12 तथा 16 से 27; संपर्क: 1.** श्री भूमिधर मोबा. 09452975280, 2) डॉ. विमलकुमार मोदी, द्वारा- आरोग्य मंदिर, गोरखपुर-273003, 3) श्री नरेश अग्रवाल- मोबा. 9935599453.

धम्मकल्याण : कानपुर (उ. प्र.)

कानपुर अंतर्राष्ट्रीय विपश्यना साधना केंद्र, ढोड़ी घाट, रूमा, पो. सलेमपुर, कानपुर नगर-209402, (सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन से 23 कि0 मी0) Email: dhamma.kalyana@gmail.com, फोन: 07388-543795, मोबा. 08995480149. (बिना बुकिंग प्रवेश बिल्कुल नहीं) **दस-दिवसीय:** 5 से 16-10, 20 से 31-10, 5 से 16-11, 5 से 16-12, 20 से 31-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 22 से 30-11, **एक-दिवसीय:** हर माह चौथे रविवार. सुबह 10 से सायं 5 तक, ∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय:** 20-11 से 1-12-21,

धम्म सुधा : मेरठ (उ.प्र.)

विपश्यना केंद्र, पुलीस स्टेशन के पीछे, टॉवर रोड, सैफपुर गुरुद्वारा के पास, हस्तिनापुर, जिला- मेरठ-250002, **कार्यालय संपर्क:** फोन: 2513997, 2953997, मोबा. 9319145240, **10-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 6 से 14-11,

धम्मबोधि : बोधगया (बिहार)

बोधगया अंतर्राष्ट्रीय विपश्यना साधना केंद्र, मगध विश्वविद्यालय के समीप, पो. मगध विश्वविद्यालय, गया-डोभी रोड, बोधगया-824234, मोबा. 94716-03531, Email: info@bodhi.dhamma.org; **संपर्क:** फोन: 99559-11556. Website: www.bodhi.dhamma.org, Long course Email : bodhi.longcourse@gmail.com, **दस-दिवसीय:** 1 से 12-11, 16 से 27-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, 29-12 -2021 से 9-1-2022, 12 से 23-1-2022, ◊ **सतिपट्ठान:** 18 से 26-10, 26-1-2022 से 3-2-2022, ∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, **20-दिवसीय:** 6 से 27-10, **45-दिवसीय:** 9-2-2022 से 27-3-2022,

धम्मलिच्छवी : मुजफ्फरपुर (बिहार)

धम्मलिच्छवी विपश्यना केंद्र, ग्राम- लदौरा, पाक्री, मुजफ्फरपुर-843113. फोन: 7779842059, 8935963703, **दस-दिवसीय:** 2 से 13-10, 19 से 30-10, 19 से 30-11, 5 से 16-12, 19 से

30-12, 5 से 16-1, 19 से 30-1, ◊ **सतिपट्ठान:** 1 से 9-11, **संपर्क:** श्री राजकुमार गोयन्का, फोन: 0621 2240215, Email: info@licchavi.dhamma.org

धम्मउपवन : बाराचकिया, (बिहार)

बाराचकिया - 845412, पुर्व चम्पारन, बिहार, **संपर्क:** फोन: 9431245971, 9934430429, 6204814341, Email: dhammaupavan@gmail.com, **दस-दिवसीय:** हर माह 3 से 14 (नवंबर 2021 में नहीं) 13 से 24-11, 3 से 14-1-2022,

नालंदा (बिहार): **दस-दिवसीय:** अप्रेल से दिसंबर तक हर माह 2 से 13, **स्थान:** शिल्प ग्राम, नव नालंदा महाविहार, गव्हरमेंट ऑफ इंडिया नालंदा (बिहार), फोन: 91-9955911556, **संपर्क:** डा लामा, मोबा. 99314-55583, Email: dhammanalanda@gmail.com. online registration: Website: www.nalanda.in.dhamma.org

धम्मपाटलिपुत्त : पटना (बिहार)

स्थान: विपश्यना साधना केंद्र, ध्यान खंड, बुद्ध स्मृति पार्क, फ्रेजर रोड, पटना जंक्शन के पास, **संपर्क-** फोन: +91 6205978822, +91 6299534629; E-mail: info@patna.in.dhamma.org ; Website: www.patana.in.dhamma.org ; **दस-दिवसीय:** 3-10 to 14-10, 3-11 to 14-11, 3-12 to 14-12, 17-12 to 28-12, 3-1 to 14-1-22, 17-1 to 28-1-22.

धम्मवेसाली : वैशाली (बिहार)

धम्मवेसाली विपश्यना केंद्र, वियतनाम महाप्रजापति ननरी, विश्वशांति पगोडा रोड, वैशाली-844128, **संपर्क:** 9036012302, 9036012303, श्री राजकुमार गोयन्का, फोन: 7631932444, Email: info@vaishali.in.dhamma.org; Website: www.vaishali.in.dhamma.org; **दस-दिवसीय:** हर माह-- 4 से 15, जनवरी से दिसंबर तक. ◊ **सतिपट्ठान:** 18 से 26-11,

कच्छ एवं गुजरात

धम्मसिन्धु : मांडवी-कच्छ (गुजरात)

कच्छ विपश्यना केन्द्र, ग्राम- बाड़ा, ता. मांडवी, जिला- कच्छ 370475. मोबा. 9638577325, Email: info@sindhu.dhamma.org, (शिविर आरंभ होने के दिन सीधे केंद्र जाने के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध। तदर्थ **संपर्क-** फोन: भुज: 094274-33534. गांधीधाम: 094262-50746. मांडवी: 9974575660.) **दस-दिवसीय:** 6 से 17-11, 20-11 से 1-12, 4 से 15-12, 18 से 29-12.

∞ **दीर्घ शिविर: 45-दिवसीय: 1-1 से 16-2-2022, संपर्क:** मोबा. 7874623305, 9825320551.

धम्मकोट : राजकोट (गुजरात)

सौराष्ट्र विपश्यना केंद्र, कोठारिया रोड, राजकोट. फोन: (0281) 2924924, 2924942, मोबाईल: 7878727240, 93279-23540, Email: info@kota.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 3 से 14-11, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, 29-12 से 9-1, **संपर्क:** 1) फोन: 0281-2233666, मोबा. 7878727223, 94272-21591, फैक्स: 2221384. 2) श्री मेहता, फोन: 2587599, मोबा. 9428203291.

धम्मदिवाकर : मेहसाणा (गुजरात)

उत्तर गुजरात विपश्यना केंद्र, मीठ्ठा गाव, ता. जिल्हा- मेहसाणा, गुजरात, Email: info@divakara.dhamma.org, फोन: (02762) 272800. **संपर्क:** 1. निखिलभाई पारीख, मोबा. 09429233000, 2. श्री उपेंद्र पटेल, मोबा. 8734093341, Email: upendrakpatel@gmail.com, फोन: (02762) 254634, 253315, **दस-दिवसीय: 2021»** 20 से 31-10, 7 से 18-11, 24-11 से 5-12, 8 से 19-12, 22-12 से 2-1-22, 5 से 16-1, 2 से 13-2, 16 से 27-2-22. ◊ **सतिपट्ठान: 2022»** 22-1 से 30-1-22, **3-दिवसीय: 2021»** 19 से 22-11,

धम्मपीठ : अहमदाबाद (गुजरात)

गुर्जर विपश्यना केंद्र, (अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से 40 कि.मी.,) ग्राम रनोडा, ता. धोलका, जिला- अहमदाबाद-387810. मोबा. 89800-01110, 89800-01112, 94264-19397. फोन: (02714) 294690. Email: info@pitha.dhamma.org, (बस सुविधा हर शिविर के 0 दिवस पर, पालदी बस स्टॅंड (अहमदाबाद) दोपहर 2:30 बजे) **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 2 से 13-11, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, 29-12-2021 से 9-1-2022, 12 से 23-1, 16 से 27-2.

कृतज्ञता-शिविर: 26-1 से 10-2, **संपर्क:** 1) श्रीमती शशि तोदी मोबा. 98240-65668.

धम्म अम्बिका : दक्षिण गुजरात, गुजरात

विपश्यना ध्यान केंद्र, नॅशनल हायवे नं. 8, (मुंबई से अहमदाबाद) पच्छिम से 2 कि0 मी0 दुरी पर बोरीयाच टोलनाका, ग्राम वागलवाड ता. गनदेवी, जि. नवसारी, मोबा. 09586582660, **पंजीकरण:** दोपहर 11 से सायं 5 (0261) 3260961, 09825955812. www.ambika.dhamma.org; Online registration: dhammaambikasurat@gmail.com; **संपर्क:** 1) वसंतभाई लाड, मोबा. 09428160714, 2) श्री रतनशीभाई के. पटेल, मोबा. 09825044536, **दस-दिवसीय:** 6-10 से 17-10, 20 से 31-10, 6 से 17-11, 24-11 से 5-12, 7 से 18-12, **3-दिवसीय:** 30-9 से 3-10, 18 से 21-11,

∞ **दीर्घ शिविर: 30-दिवसीय:** 21-12 से 21-1, **45-दिवसीय:** 21-12 से 5-2-22,

दक्षिण भारत

धम्मसेतु : चेन्नई (तमिलनाडु)

विपश्यना साधना केंद्र, 533, पझान- थंडलम रोड, द्वारा थीरुनीरमलाई रोड, थीरुमुदीवक्कम, चेन्नई-600044, शिविर संबंधी जानकारी तथा पंजीकरण के लिए **संपर्क:** फोन: 044-65499965, मोबाइल: 94442-80952, 94442-80953, (केवल 10 बजे से 1 तथा सायं 2 से 5 बजे तक). Email.: setu.dhamma@gmail.com, **संपर्क:** श्री गोयन्का, फोन: (044) 4340-7000, 4340-7001, फैक्स: 91-44-4201-1177. मोबाइल: 098407-55555. Email: skgoenka@kgiclothing.in, **दस-दिवसीय: 2021»** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 5 से 16-11, 18 से 29-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, **2022»** 2 से 13-1, 19 से 30-1, 9 से 20-3, 30-3 से 10-4, 13 से 24-4, 27-4 से 8-5, 1 से 12-6, 15 से 26-6, 13 से 24-7, 3 से 14-8, 17 से 28-8, 31-8 से 11-9, 14 से 25-9, 28-9 से 9-10, 26-10 से 6-11, 9 से 20-11, 23-11 से 4-12, 7 से 18-12, 20 से 31-12, ◊ **सतिपट्ठान: 2022» 2 से 10-7, 12 से 20-10, 3-दिवसीय: 2021» 30-9 से 3-10, 28 से 31-12, 2022»** 24 से 27-3, 12 से 15-5, 28 से 31-7, **1-दिवसीय: 2022»** 16-5, 13-7, **धम्मसेवक कार्यशाला: 2022»** 21-4, **बाल शिविर शिक्षक कार्यशाला: 2022»** 21 से 22-5, **सहायक आचार्य कार्यशाला: 2022» 28 से 29-5, कृतज्ञता-शिविर: 2022»** 2 से 17-2,

∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय: 2022» 12 से 23-10, 20-दिवसीय: 2022»** 2 से 23-2, **30-दिवसीय: 2022»** 2-2 से 5-3,

धम्मखेत्त : हैदराबाद (तेलंगाना)

विपश्यना अन्तर्राष्ट्रीय साधना केंद्र, (12.6 किमी.) माइल स्टोन नागार्जुन सागर रोड, कुसुम नगर, वनस्थलीपुरम हैदराबाद-500070, तेलंगाना पंजीकरण: (प्रात: ९ से १२ तथा ३ से ५ तक) मोबा. 09491594247, फोन: (040) 24240290, 9705859056, Email: info@khetta.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 3 से 14-11, 17 से 28-11, 30-11 से 11-12, **2-दिवसीय:** 1 से 3-10, **आचार्य कार्यशाला:** 26 से 30-9, **1-दिवसीय:** हर रविवार, ∞ **दीर्घ-शिविर: विशेष दस-दिवसीय:** 14 से 25-12, **20-दिवसीय:** 14-12-21 से 4-1-22, **30-दिवसीय:** 14-12-21 से 14-1-22,

1-दिवसीय बाल-शिविर: हर दस दिवसीय शिविर के आखरी दिन आंध्र प्रदेश, तथा तेलंगाना, **योग्यता:** 1-दिवसीय तथा 2-दिवसीय बाल-शिविर, पूर्ण किए हों तथा 5 वीं कक्षा (उम्र: 10 से 18 वर्ष, सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक),

धम्ममधुरा : मदुराई (तमिलनाडु)

विपश्यना साधना केंद्र, गाव चेतिया पट्टी, ता. आतुर पो. गांधीग्राम युनिवरसिटी दिंडीगुल-624302, Email.: dhammamadhura@gmail.com, **संपर्क:** 9442603490, 9442103490, **दस-दिवसीय:** 22-9 से 3-10, 6 से 17-10, 20 से 31-10, 10 से 21-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, **2022»** 19 से 30-1, 23-2 से 6-3, 9 से 20-3, 23-3 से 3-4, 6 से 17-4, 20-4 से 1-5, 4 से 15-5, 18 से 29-5, 15 से 26-6, 6 से 17-7, 20 से 31-7, 24-8 से 4-9, 7 से 18-9, 5 से 16-10, 2 से 13-11, 16 से 27-11, 7 से 18-12, 21-12-2022 से 1-1-2023 ◊ **सतिपट्ठान:** 11 से 19-9, **2022»** 13 से 21-8, **3-दिवसीय:** 25 से 28-11, **2022»** 4 से 7-8, 22 से 25-9, ∞ **कृतज्ञता-शिविर:** 2 से 17-2-22,

धम्मनागाज्जुन -1 : नागार्जुन सागर (तेलंगाना)

संपर्क: VIMC, हिल कालोनी, नागार्जुन सागर, जि. नालगोंडा तेलंगाना, पिन-508202. पंजीकरण: 9440139329, (8680) 277944, मोबा: 093484-56780, (केवल 10 से शाम 5 तक) Email: info@nagajjuna.dhamma.org, **10-दिवसीय: 2021»** 3 से 14-11, **2022»** 10 से 21-1, 6 से 17-2, 14 से 25-5, 2 से 13-11, 23-11 से 4-12, **2-दिवसीय: 2021»** 19 से 21-11, 17 से 19-12, **2022»** 25 से 27-2, 11 से 13-3, 24 से 26-6, 8 से 10-7, 5 से 7-8, 28 से 30-10, 16 से 18-12, **किशोरों का शिविर: 2021»** 6 से 14-10, 26-11 से 4-12, **2022»** 1 से 9-1, 9 से 17-4, 5 से 13-5, 20 से 28-8, 26-9 से 4-10, 14 से 22-11, **किशोरियों का शिविर: 2021»** 22 से 30-10, 23 से 31-12, **2022»** 25-4 से 3-5, 11 से 19-6, 23 से 31-7, 15 से 23-9, 15 से 23-10, 23 से 31-12, **धम्मसेवक कार्यशाला: 2022»** 9 से 11-9, **धम्म सम्मेलन: (वरिष्ठ नागरिक) 2021»** 18 से 20-10, **किशोरों के लिए: 2021»** 10 से 12-12, **किशोरियों के लिए: 2021»** 10 से 12-12, **धम्म सम्मेलन: 2022»** 18 से 20-2,

धम्मनागाज्जुन -2 : नागार्जुन सागर (तेलंगाना)

संपर्क: धम्मनागाज्जुन-1 के उपरोक्त पते पर। **10-दिवसीय: 2021»** 6 से 17-10, **2022»** 23-2, से 6-3, 9 से 20-3, 23-3 से 3-4, 6 से 17-4, 8 से 19-6, 22-6 से 3-7, 6 से 17-7, 20 से 31-7, 3 से 14-8, 17 से 28-8, 31-8 से 11-9, 25-9 से 6-10, 12 से 23-10, ◊ **सतिपट्ठान: 2022»** 24-4 से 2-5, 14 से 22-9, **कृतज्ञता-शिविर: 2022»** 2 से 17-2, **2023»** 2 से 17-2, ∞ **दीर्घ-शिविर: 20-दिवसीय: 2022»** 4 से 25-5, **30-दिवसीय: 2021»** 22-10 से 22-11, **2022»** 4-5 से 4-6, 26-10 से 26-11, **45-दिवसीय: 2021»** 22-10 से 7-12, 13-12 से 28-01, **2022»** 26-10 से 11-12, 14-12 से 29-1-23

मध्य भारत

धम्मपाल : भोपाल (म.प्र.)

धम्मपाल विपश्यना केंद्र, केरवा डैम के पीछे, ग्राम दौलतपुरा, भोपाल-462 044, संपर्क: मोबा. 94069-27803, 7024771629, **संपर्क:** 1) प्रकाश गेडाम, मोबा. 94250-97358, 2) श्री लालेंद्र हुमने, मोबा. 9893891989, फोन: (0755) 2468053, फैक्स: 246-8197. Email: dhammapala.bhopal@gmail.com, **ऑनलाइन आवेदन;** www.pala.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 20 से 31-10, 6 से 17-11, 1 से 12-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 20 से 28-11, ∞ **दीर्घ शिविर: 45-दिवसीय:** 17-12 से 1-2-22,

धम्मरत : रतलाम (म.प्र.)

धम्मरत विपश्यना केंद्र, (रतलाम से 15 कि.मी.) साई मंदिर के पीछे, ग्राम - धामनोद ता. सैलाना, जि. रतलाम-457001, फैक्स: 07412-403882, Email: dhamma.rata@gmail.com, **संपर्क** 1) श्री योगेश, मोबा. 8003942663, 2) श्री अडवाणी, मोबा. 9826700116. **दस-दिवसीय:** 2 से 13-10, 19 से 30-11, 15 से 26-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 18 से 26-12-21, **3-दिवसीय:** 13 से 16-10, 26 से 29-12, **सामू. साधना:** हर रविवार प्रात: 8 से 9 **संपर्क कार्यालय:** विक्रम नगर, म्हो रोड, रतलाम, फोन: 09425364956, 09479785033.

धम्मगुना, गुना-ग्वालियर संभाग, (म.प्र.)

"विपश्यना धम्मगुना, ग्राम- पगारा, 12 किमी. ग्राम **पगारा,** गुना-ग्वालियर संभाग। **संपर्क:** श्री वीरेंद्र सिंह रघुवंशी, रघुवंशी किराना स्टोर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास, अशोक नगर रोड, गांव- पगारा, तहसील- जिला- गुना, म. प्र. पिन- 473001. मोबा. 9425618095, श्री राजकुमार रघुवंशी, मोबा. 9425131103, Email: info@guna.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 20 से 31-10, 19 से 30-11, 10 से 21-12,

धम्मकेतु : दुर्ग (छत्तीसगढ़)

विपश्यना केंद्र, थनौद, व्हाया-अंजोरा, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001; फोन: 09907755013, मोबा. 9589842737. Email: sadhana_kendra@yahoo.in, **संपर्क:** 1. श्री एस बंग, मोबा. 9425209354, 2. श्री. आर. पी. सैनी, मोबा. 9425244706, **दस-दिवसीय: 2021»** 3 से 14-10, 17 से 28-10, 6 से 17-11, 21-11 से 2-12, 6 से 17-12, 20 से 31-12, **2022»** 3 से 14-1, 5 से 16-3, 3 से 14-4, 18 से 29-4, 12 से 23-6, 3 से 14-7, 17 से 28-7, 31-7 से 11-8, 14 से 25-8, 4 से 15-9, 18 से 29-9, 1 से 12-10, 13 से 24-10, 6 से 17-11, 20-11 से 1-12, 4 से 15-12, 18 से 29-12, ◊ **सतिपट्ठान: 2022»** 15 से 23-1, **3-दिवसीय: 2022»** 17 से 20-3, **किशोरियों का शिविर: 2022»** 29-5 से 6-6, **1-दिवसीय: 2021»** 31-10, 20-11, **2022»** 2-1, 1-5, 16-5, 26-6, 28-8, # **बाल-शिविर: 2021»** 2-10, 19-11, 18-12, **2022»** 27-3, 17-4, 3-5, 28-10, **धम्मसेवक कार्यशाला: 2021»** 5-12, **2022»** 30-10,

∞ दीर्घ-शिविर: 30-दिवसीय: 2022» 30-1 से 2-3,

धम्मगढ़ : बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

विपश्यना केंद्र, बिलासपुर शहर से 23 कि.मी. और कारगी रोड रेलवे स्टेशन से 8 कि.मी. की दूरी पर भरारी, व्हाया मोहनभाटा, ता.-तखतपुर, जिला-बिलासपुर. मोबा. 9926326872, Email: dhammagarh@gmail.com, Website: www.garh.dhamma.org, **दस-दिवसीय:** 1 से 12-10, 2 से 13-12, 17 से 28-12, ◊ **सतिपट्ठान:** 13 से 21-11, **1-दिवसीय:** 24-10, 7-11, # **बाल-शिविर:** 17-10, 28-11, **संपर्क:** 1) श्री डी. एन. द्विवेदी, मोबा. 9806703919, 2) श्री एस मेश्राम, मोबा. 98269-60230

धम्मउत्कल : खरियार रोड (उड़ीसा)

विपश्यना साधना केंद्र, ग्राम चानबेरा पो. अमसेना, (व्हाया) खरियार रोड जिला: नुआपाडा, उड़ीसा-766106, **संपर्क:** 1) श्री. हरिलाल साहू, मोबा. 09407699375, Email: harilal.sahu@gmail.com 2) श्री. प्रफुल्लदास, मोबा. 7077704724, **दस-दिवसीय:** 3 से 14-10, 10 से 21-11, 1 से 12-12, 16 से 26-12, ∞ **दीर्घ शिविर: 30-दिवसीय: 1 से 31-10,**

धम्मगङ्गा : कोलकाता (प. बंगाल)

विपश्यना केंद्र, सोदपुर, हरिश्चन्द्र दत्ता रोड, पनिहटी, बारो मन्दिर घाट, कोलकाता-700114. फोन: (033) 25532855, Email: info@ganga.dhamma.org, मोबा. 94332-21119, 97482-24578, **दस-दिवसीय:** 6 से 17-10, 20 से 31-10, 3 से 14-11, 17 से 28-11, 1 से 12-12, 15 से 26-12, 29-12 से 9-1, **1-दिवसीय:** 3-10, 14-11, 12-12, # **बाल-शिविर:** 31-10, 28-11, 26-12, **संपर्क:** कार्यालय: टोबॅको हाऊस, 5 वा माळा रूम नं. 523, 1, ओल्ड कोर्ट हाऊस कॉरनर, कोलकाता-1, फोन: (033) 2230-3686, 2231-1317,

ऑनलाइन पालि-इंग्लिश सर्टिफिकेट कोर्स-२०२१- २२
विपश्यना विशोधन विन्यास द्वारा संचालित पालि पाठ्यक्रम विवरण:

इस पाठ्यक्रम में पालि भाषा और उसके व्याकरण से अवगत कराया जायगा । साथ–साथ तिपिटक के कुछ सुत्तों का अभ्यास भी किया जाएगा।

भाषा: शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

पात्रता: 1. आवेदक ने कम से कम एक १०-दिवसीय विपश्यना शिविर (पूज्य गोयंकाजी अथवा उनके द्वारा नियुक्त सहायक आचार्य द्वारा संचालित) पूरा किया होना चाहिए ।
2. आवेदक को एचएससी (१२ वीं कक्षा)उत्तीर्ण होना चाहिए या १२ साल की शिक्षा पूरी करनी चाहिए।

प्रारंभ की तिथि: पाठ्यक्रम २ अक्टूबर २०२१, शनिवार को शुरू होगा।

अवधि: 1) ऑनलाइन पालि-इंग्लिश कोर्स लगभग ८ महीने तक चलेगा।
2) सप्ताह में दो बार-- बुधवार और शनिवार को सत्र आयोजित किए जाएंगे अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुविधा के लिए प्रत्येक सत्र दिन में दो बार होगा।
३) प्रत्येक सत्र १.५ से २ घंटे के लिए होगा।

समय: दोपहर २:०० बजे और रात १०:०० बजे भारतीय मानक समय (UCT+5.30) बाद में, प्रतिभागियों को **यूट्यूब** या **वीआरआई वेबसाइट** पर देखने के लिए सत्र (व्याख्यान) उपलब्ध कराए जाएंगे।

ऑनलाइन प्लेटफार्म: सभी सत्र -- YouTube पर चलाये जाएंगे।

प्रमाणपत्र: जो प्रतिभागी प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें पाठ्यक्रम के अंत में एक ऑनलाइन परीक्षा के लिए उपस्थित होना होगा।

आवेदन करने के लिए, कृपया नीचे दी गयी लिंक पर फॉर्म भरें।

पाठ्यक्रम पंजीकरण-लिंक: https://forms.gle/nSTQvme6yp64Pokk7

आवेदन करने की अंतिम तिथि: २५ सितंबर २०२१

अधिक जानकारी के लिए, **कृपया संपर्क करें:** सुबह १०:०० बजे से शाम ६:०० बजे के बीच (भारतीय समय) IST पर कॉल करें। + ९१ ७८२१९ ९५७३७ (शनिवार को छोड़कर सभी दिन). + ९१ ८६५२६४३४३३ (रविवार को छोड़कर सभी दिन) ईमेल - Learning@vridhamma.org.

विपश्यना विशोधन विन्यास.

मोबाइल ऐप में नया फीचर

विपश्यना विशोधन विन्यास ने अपने मोबाइल ऐप में एक नया फीचर जोड़ा है, जिसके द्वारा आप भावी शिविरों में भाग लेने के लिए सीधे आवेदन कर सकते हैं। जैसे--

दस-दिवसीय शिविर, दस-दिवसीय एक्जीक्यूटिव शिविर
बच्चों के शिविर तथा तीन दिवसीय शिविर आदि

भारत के सभी केंद्रों में, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात इत्यादि कहीं भी। एक बार आपने आवेदन कर दिया तो उसी ऐप में आप अपने बारे में होने वाली सभी गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे।

आप चाहें तो अपने शिविरों का रेकार्ड भी रख सकते हैं।

वर्तमान में ये नए फीचर्स केवल एंड्रॉयड फोन के लिए उपलब्ध हैं और जल्द ही आईओएस (आईफोन) के लिए उपलब्ध होंगे।

डाउनलोड करें ऐप लिंक: *http://vridhamma.org/applink.html*

पगोडा के समीप 'धम्मालय' अतिथि-गृह में उपलब्ध निवास-सुविधा

पवित्र बुद्ध-धातुओं और बोधिवृक्ष के सान्निध्य में रह कर गंभीर साधना करने के इच्छुक साधकों के लिए **'धम्मालय' अतिथि-गृह** में निवास, भोजन, नाश्ता आदि की उत्तम सुविधा उपलब्ध है। अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए निम्न पते पर **संपर्क** करें— श्री जगजीवन मेश्राम, धम्मालय, ग्लोबल विपश्यना पगोडा, एस्सलवर्ल्ड जेटी, गोराई विलेज, बोरीवली (प.) - 400091. फोन. +91-22-50427599/598 (धम्मालय रिसेप्सन) पगोडा-कार्यालय- +91-22-50427500. Mob. 9552006963/7977701576. Email- info.dhammalaya@globalpagoda.org

महत्त्वपूर्ण सूचना

GVF में दान भेजने वाले कृपया ध्यान दें कि वे किस मद में पैसा भेज रहे हैं, इसका उल्लेख अवश्य करें ताकि वह दान उसी मद में जमा किया जा सके और उसी प्रकार उसकी रसीद काटी जा सके। (ध्यान देने के लिए धन्यवाद।)

धम्मालय-2 (आवास-गृह) का निर्माण कार्य

पगोडा परिसर में 'एक दिवसीय' महाशिविरों में दूर से आने वाले साधकों तथा धर्मसेवकों के लिए रात्रि-विश्राम की निःशुल्क सुविधा हेतु "धम्मालय-2"आवास-गृह का निर्माण कार्य करना है। जो भी साधक-साधिका इस पुण्यकार्य में भागीदार होना चाहें, वे कृपया निम्न पते पर संपर्क करें:

1. Mr. Derik Pegado, 9921227057. 2. Sri Bipin Mehta, Mo. 9920052156, Email: audits@globalpagoda.org

Bank Details: 'Global Vipassana Foundation' (GVF), Axis Bank Ltd., Sonimur Apartments, Timber Estate, Malad (W), Mumbai - 400064, Branch - Malad (W). Bank A/c No.-911010032397802; IFSC No.- UTIB0000062; Swift code: AXISINBB062.

पगोडा पर रात भर रोशनी का महत्त्व

पूज्य गुरुजी बार-बार कहा करते थे कि किसी धातु-पगोडा पर रात भर रोशनी रहने का अपना विशेष महत्त्व है। इससे सारा वातावरण धर्म एवं मैत्री- तरंगों से भरपूर रहता है। तदर्थ सगे-संबंधियों की याद में ग्लोबल पगोडा पर रोशनी-दान के लिए प्रति रात्रि रु. 5000/- निर्धारित किये गये हैं। (कृपया GVF का उपरोक्त बैंक एवं पता नोट करें।) अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें–
1.Mr. Derik Pegado, 9921227057. 2. Sri Bipin Mehta, Mo. 9920052156, Email: audits@globalpagoda.org

एक-दिवसीय महाशिविर अभी ग्लोबल विपश्यना पगोडा में नहीं होंगे, बल्कि ऑनलाइन होंगे

रविवार: 26 सितंबर, शरद पूर्णिमा एवं श्री गोयनकाजी की 8वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में तथा **रविवार: 9 जनवरी,** 2022 को पूज्य माताजी की 6वीं और सयाजी ऊ बा खिन की 51वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में पगोडा में होने वाले महाशिविरों का आयोजन ऑनलाइन होगा, जिनका प्रसारण पगोडा से किया जायगा। लिंक बनते ही आपको सूचित किया जायगा। इस प्रकार एक साथ तपने (**समग्गानं तपो सुखो**)— का लाभ उठाएं। **समय:** प्रातः11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक। (*फिलहाल पगोडा में हर रोज एक-दिवसीय शिविर होता है।*) **संपर्क:** 022-2845 1170, 022-6242 7544- Extn. no. 9, मो. 82918 94644. (प्रतिदिन 11 से 5 बजे तक)

Online Regn: http://oneday.globalpagoda.org/register

सूचना: कोविड-19 की स्थिति के अनुसार कोविड-नियमों का पालन करना अनिवार्य है। छूट मिलते ही समय पर जानकारी उपलब्ध करायी जायगी।

विपश्यना पगोडा परिचालनार्थ "सेंचुरीज कॉर्पस फंड"

'ग्लोबल विपश्यना पगोडा' के दैनिक खर्च को संभालने के लिए पूज्य गुरुजी के निर्देशन में एक 'सेंचुरीज कार्पस फंड' की नींव डाली जा चुकी है। उनके इस महान संकल्प को परिपूर्ण करने के लिए यदि 1,39,000 लोग, प्रत्येक व्यक्ति रु. 9000/- जमा कर दें, तो 125 करोड़ रु. हो जायँगे और उसके मासिक ब्याज से यह खर्च पूरा होने लगेगा। यदि कोई एक साथ पूरी राशि नहीं जमा कर सकें तो किस्तों में भेजें अथवा अपनी सुविधानुसार छोटी-बड़ी कोई भी राशि भेज कर पुण्यलाभी हो सकते हैं।

साधक तथा बिन-साधक सभी दानियों को सहस्राब्दियों तक अपने धर्मदान की पारमी बढ़ाने का यह एक सुखद सुअवसर है। अधिक जानकारी तथा निधि भेजने हेतु --

संपर्कः– 1. Mr. Derik Pegado, 9921227057. or
2. Sri Bipin Mehta, Mo. 9920052156,
A/c. Office: 022-50427512 / 50427510;
Email– audits@globalpagoda.org;
Bank Details: 'Global Vipassana Foundation' (GVF),
Axis Bank Ltd., Sonimur Apartments,
Timber Estate, Malad (W), Mumbai - 400064,
Branch- Malad (W).
Bank A/c No.- 911010032397802;
IFSC No.- UTIB0000062;
Swift code: AXIS-INBB062.
Online Donation- https://www.globalpagoda.org/donate-online

विपश्यना विशोधन विन्यास

विपश्यना विशोधन विन्यास (Vipassana Research Institute=**VRI**) एक ऐसी संस्था है जो साधकों के लिए धर्म संबंधी प्रेरणादायक पाठ्य सामग्री लागत मूल्य पर उपलब्ध कराती है। यहां का सारा साहित्य न्यूनतम कीमत पर उपलब्ध है ताकि अधिक से अधिक साधक इसका व्यावहारिक लाभ उठा सकें। विपश्यना साधना संबंधी अमूल्य साहित्य का हिंदी, अंग्रेजी एवं अन्य भाषाओं में अनुवाद एवं शोध करना है। इसके लिए विद्वानों की आवश्यकता है। शोध कार्य मुंबई के इस पते पर होता हैः- **'विपश्यना विशोधन विन्यास'**, परियत्ति भवन, विश्व विपशयना पगोडा परिसर, एस्सेल वर्ल्ड के पास, गोराई गांव, बोरीवली पश्चिम, मुंबई- 400 091, महाराष्ट्र, भारत. फोनः कार्या. +9122 50427560, मो. (Whats App) +91 9619234126.

इसके अतिरिक्त VRI हिंदी, अंग्रेजी एवं मराठी की मासिक पत्रिकाओं के माध्यम से पूज्य गुरुजी के द्वारा हुए पत्राचार, पुराने ज्ञानवर्धक लेख, दोहे, साक्षात्कार, प्रश्नोत्तर आदि के द्वारा प्रेरणाजनक संस्मरणों को प्रकाशित करती है ताकि साधकों की धर्मपथ पर उत्तरोत्तर प्रगति होती रहे।

इन सब कार्यों को आगे जारी रखने के लिए साधकों का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। भविष्य में अनेक साधकों के लाभार्थ धर्म की वाणी का प्रकाशन अनवरत चलता रहे, इसमें सहयोग के इच्छुक साधक निम्न पते पर संपर्क करें। इस संस्था में दानियों के लिए सरकार से आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35-(1) (iii) के नियमानुसार 100% आयकर की छूट प्राप्त है। साधक इसका लाभ उठा सकते हैं। **दान के लिए बैंक विवरण इस प्रकार हैः—**

विपश्यना विशोधन विन्यास, ऐक्सिस बैंक लि., मालाड (प.)
खाता क्र. 911010004132846; IFSC Code: UTIB0000062
संपर्क- 1. श्री डेरिक पेगाडो - 022-50427512/ 28451204
2. श्री बिपिन मेहता - 022-50427510/ 9920052156
3. ईमेल - audits@globalpagoda.org
4. वेबसाइट- https://www.vridhamma.org/donate-online

दोहे धर्म के

गुरुवर तेरे पुण्य का, कैसा प्रबल प्रताप।
जागा बोध अनित्य का, दूर हुए भव-ताप॥

धर्म दिया गुरुदेव ने, कैसा रतन अमोल।
मृत्युलोक के जीव को, अमृत का रस घोल॥

सद्गुरु की संगत मिली, मिला धर्म का सार।
जीवन सफल बना लिया, सिर का भार उतार॥

दुर्लभ सद्गुरु का मिलन, दुर्लभ धर्म मिलाप।
धर्म मिला सद्गुरु मिले, मिटे सभी संताप॥

केमिटो टेक्नोलॉजीज (प्रा0) लिमिटेड
8, मोहता भवन, ई-मोजेस रोड, वरली, मुंबई- 400 018
फोन: 2493 8893, फैक्स: 2493 6166
Email: arun@chemito.net
की मंगल कामनाओं सहित

दूहा धरम रा

गुरुवर रै उपदेस स्यूं, मूरख ग्यानी होय।
लोहो तो सुवरण हुवै, पत्थर पारस होय॥

सुख स्यूं जीवन जीण री, विद्या दयी सिखाय।
गुरुवर तेरी ही क्रिपा, दुखड़ा दिया मिटाय॥

जदि गुरुवर मिलतो नहीं, बरमा देस सुदेस।
तो धन रै जंजाळ रा, कदे न कटता क्लेस॥

गुरुवर दिनकर सो मिल्यो, आभै हुयो उजास।
काळ-रात री काळिमा, मिटी, मिट्या भव-त्रास॥

मोरया ट्रेडिंग कंपनी
सर्वो स्टॉकिस्ट-इंडियन ऑईल, 74, सुरेशदादा जैन शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, एन.एच.6,
अजिंठा चौक, जलगांव - 425 003, फोन. नं. 0257-2210372, 2212877 मोबा.09423187301,
Email: morolium_jal@yahoo.co.in
की मंगल कामनाओं सहित

"विपश्यना विशोधन विन्यास" के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादकः राम प्रताप यादव, धम्मगिरि, इगतपुरी- 422 403, दूरभाष :(02553) 244086, 244076.
मुद्रण स्थान : अपोलो प्रिंटिंग प्रेस, 259, सीकाफ लिमिटेड, 69 एम. आय. डी. सी, सातपुर, नाशिक-422 007. बुद्धवर्ष 2565, भाद्रपद पूर्णिमा, 20 सितंबर, 2021

वार्षिक शुल्क रु. 30/-, US $ 10, आजीवन शुल्क रु. 500/-, US $ 100. "विपश्यना" रजि. नं. 19156/71. Postal Regi. No. NSK/RNP-235/2021-2023

Posting day- **Purnima of Every Month,** Posted at **Igatpuri-422 403,** Dist. Nashik (M.S.) (फुटकर बिक्री नहीं होती)

DATE OF PRINTING: (on-line-edition), DATE OF PUBLICATION: 20 SEPTEMBER, 2021

If not delivered please return to:-
विपश्यना विशोधन विन्यास
धम्मगिरि, इगतपुरी - 422 403
जिला-नाशिक, महाराष्ट्र, भारत
फोन : (02553) 244076, 244086,
244144, 244440.
Email: vri_admin@vridhamma.org;
course booking: info@giri.dhamma.org
Website: https://www.vridhamma.org